A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 17 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 322, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफ़ा देने की घोषणा के क्या मायने हैं?

अभय कुमार सिंह

14 फ़रवरी 2014- वो तारीख़ जब अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर पहली बार इस्तीफ़ा दिया था। बारिश के बीच केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था, 'दोस्तों, मैं बहुत छोटा आदमी हूं। मैं यहां कुर्सी के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां जनलोकपाल बिल के लिए आया हूं। आज लोकपाल बिल गिर गया है और हमारी सरकार इस्तीफ़ा देती है। लोकपाल बिल के लिए सौ बार मुख्यमंत्री की कुर्सी न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। मैं इस बिल के लिए जान भी देने के लिए तैयार हूं।'

उस वक्त अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी नई-नई अस्तित्व में आई थी। कार्यकर्ता उनके इस ऐलान से उत्साहित थे। उन्हें भरोसा था कि वो दोबारा चुनाव में जाएंगे और जीत दर्ज़ करेंगे। हुआ भी यही। अब एक दशक से ज़्यादा समय हो चुका है, अरविंद केजरीवाल तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री चुने गए हैं और पार्टी भी तमाम राजनीतिक जोर-आज़माइश में पहले से कहीं ज़्यादा अनुभवी हो गई है।

15 सितंबर 2024 को एक बार फिर अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफ़ा देने की तारीख़ का ऐलान किया है और इस बार भी वो दोबारा चुनाव में जाने और सत्ता हासिल करने का भरोसा जता रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जनता उनको इस पद पर बैठने के लिए नहीं कहेगी, तब तक वो फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। रविवार को पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'जब तक दिल्ली में चुनाव नहीं होंगे तब तक कोई अन्य नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री होगा।'

इसके लिए दो दिनों के भीतर आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक होगी, उसी में नए मुख्यमंत्री का नाम तय होगा। केजरीवाल की इस घोषणा को बीजेपी ने पीआर स्टंट करार दिया है। लेकिन कुछ सवाल हैं। पहला ये कि इस्तीफ़े का ऐलान इस वक्त क्यों, इसका हरियाणा चुनाव से कोई कनेक्शन तो नहीं? दूसरा ये कि पहले चुनाव कराने की मांग का आधार क्या है? तीसरा ये कि, अगला मुख्यमंत्री चुनने का आधार क्या होगा, और क्या दिल्ली बीजेपी की रणनीति पर इसका असर होगा? एक अहम सवाल ये भी कि 2014 के केजरीवाल के इस्तीफ़े से 2024 के इस्तीफ़े तक आम आदमी पार्टी कितनी बदली?

क़रीब पांच महीने जेल में रहने और जेल के अंदर से ही सरकार चलाने के बाद, अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर देर शाम ज़मानत मिलने के बाद बाहर आए। आखिर अभी ही इस्तीफ़े की पेशकश क्यों की गई? वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद जोशी कहते हैं कि 'अगर आप 10-12 साल के केजरीवाल के राजनीतिक इतिहास को देखें तो उनके फ़ैसलों में कुछ न कुछ नाटकीयता होती है, जिसमें 'आदर्श' भी दिख जाए और उसके पीछे कोई रणनीति भी छिपी हो, वो बतौर राजनेता इतने सरल व्यक्ति नहीं हैं। हो सकता है कि वो ये भी साबित करना चाहते हों तो उन्होंने क़ानूनी लड़ाई लड़ी और सिद्धांतों की वजह से इस्तीफ़ा नहीं दिया। आज वो मान रहे हैं कि वो दूसरे सिद्धांत की बात कर रहे हैं कि वो जनता के फ़ैसलों पर ही मुख्यमंत्री की गद्दी लेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष, केजरीवाल के इस फ़ैसले को 'टू लेट, टू लिटिल' बताते हैं।

'बता दें कि दिल्ली की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल अगले साल फ़रवरी में समाप्त हो रहा है। इसके बाद यहां चुनाव होना है। मतलब ये है कि चुनाव में अब क़रीब 5 महीने का ही वक्त बचा है। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक शरद गुप्ता ने कहा कि कोर्ट से बाहर आने के बाद भी उनके हाथ में कुछ नहीं है। इस फ़ैसले का दूसरा पहलू हरियाणा और दिल्ली चुनाव भी हो सकता है। बतौर मुख्यमंत्री बंदिशें खत्म होने के बाद वो हरियाणा चुनाव में ज़ोर लगाएंगे। अगले कुछ महीनों में दिल्ली चुनाव आने वाले हैं। तीन बार जीतने के बाद चौथा चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए इतना आसान नहीं होगा।'

2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी 46 सीटों पर लड़ी थी। मगर पार्टी का प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा था और वो एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। इस बार पार्टी सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

इस्तीफ़े से दो दिन पहले इसकी घोषणा को वरिष्ठ पत्रकार शरद गुप्ता 'हेडलाइन मैनेजमेंट' की तरकीब बताते हैं। हालांकि, इस्तीफ़े के लिए दो दिन की मोहलत मांगने के सवाल पर दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'इसका सीधा सा कारण है। केजरीवाल अगले वर्किंग डे यानी मंगलवार को केजरीवाल इस्तीफ़ा देंगे।'

गौरतलब है कि आबकारी नीति में कथित घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को ज़मानत तो दे दी है लेकिन उन पर कई शर्तें लागू हैं। कोर्ट ने कहा है कि ईडी मामले में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी। मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के तकरीबन सभी चेहरे इस बात को कहते नज़र आ रहे हैं कि पार्टी चुनाव में जाने के लिए तैयार है। इसके बावजूद केजरीवाल की तरफ से विधानसभा भंग करने की बात नहीं की गई और कहा गया है कि अब कोई नया चेहरा मुख्यमंत्री बनेगा। आशुतोष और प्रमोद जोशी दोनों ही इसे 'कॉन्फिडेंस' के तौर पर नहीं देखते हैं। आशुतोष कहते हैं, 'अगर ऐसा कुछ होता तो पार्टी को विधानसभा भंग करनी चाहिए थी। ऐसा नहीं किया गया और नए मुख्यमंत्री की बात की जा रही है। मतलब ये है कि चुनाव के लिए पार्टी को वक्त चाहिए। हालांकि, पार्टी की तरफ से महाराष्ट्र के साथ दिल्ली में चुनाव कराए जाने की बात कही जा रही है लेकिन ऐसा भी था तो कैबिनेट को इस्तीफ़ा देना चाहिए था।' प्रमोद जोशी ये भी कहते हैं कि पिछले कुछ महीनों में जिस तरह की परिस्थितियां बनी हैं, उससे पार्टी को ऐसा लग रहा है कि अगर चुनाव जल्दी हो जाते हैं तो उसे उसका फ़ायदा मिलेगा। केजरीवाल के इस्तीफ़े की घोषणा के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री कौन हो सकता है। कई नामों की चर्चा भी हो रही है. इनमें अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, सरकार में मंत्री आतिशि, मंत्री सौरभ भारद्वाज, मंत्री कैलाश गहलोत समेत कुछ और नामों पर कयास लगाए जा रहे हैं। लेकिन ये किस आधार पर तय किया जाएगा? प्रदीप जोशी कहते हैं जैसा सरप्राइज केजरीवाल ने इस्तीफ़े में दिया, वैसा सरप्राइज़ अगर नए मुख्यमंत्री के तौर पर मिल जाए, तो इसकी भी संभावना है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भोपाल के पास ट्रैक से उतरे ट्रेन के पहिए

ट्रैक पर चढ़ने में 8 से 10 घंटे लगेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मिसरोद-मंडीदीप रेलवे स्टेशन के बीच एक मालगाड़ी के 3 पहिए पटरी से उतर गए। यह ट्रेन पॉर्सल ट्रेन है। इसके बंद डिब्बों में टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर या अन्य सामान ले जाया जाता है। सूचना मिलने पर भोपाल से रेलवे टीम मौके पर पहुंची और पहियों को वापस पटरी पर लाने के काम में जुट गई है। पहियों को ट्रैक पर लाने में 8 से 10 घंटे लग सकते हैं।मामला सोमवार दोपहर 12.45 बजे का है। भोपाल से ट्रेन इटारसी की ओर जा रही थी। तभी मिसरोद और मंडीदीप रेलवे स्टेशन के बीच 3 डिब्बे पटरी से उतर गए। पहिए उतरने की वजह साफ नहीं हुई है, लेकिन रेलवे की टीम काम में जुट गई थी।

पीएम मोदी अहमदाबाद में बोले-

मेरा मजाक उड़ाया गया, मैं सरदार की भूमि में पैदा हुआ बेटा

चुपचाप देशहित में नीति बनाने में लगा रहा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित भव्य स्वागत समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार गुजरात आया हूं। आप लोगों ने हर वक्त मुझ पर प्यार लुटाया है। जब बेटा अपने घर आकर आशीर्वाद लेता है तो ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। उत्साह और जोश और बढ़ जाता है। पीएम ने ये भी कहा कि कई लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, लेकिन मैं सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि में पैदा हुआ बेटा हूं। चुप रहकर देशहित में नीति बनाने में लगा रहा। प्रधानमंत्री यहां 8000 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही 30 मेगावाट के सोलर सिस्टम का भी उद्घाटन भी शामिल है।

मोदी ने मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई- पीएम ने अहमदाबाद से गांधीनगर के बीच चलने वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मेट्रो से ही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी पहुंचे। यह मेट्रो अहमदाबाद के

एपीएमसी से गांधीनगर के सेक्टर-1 तक 33 किमी की दूरी तय करेगी। इस सफर को पूरा करने में मेट्रो 65 मिनट का समय लेगी और किराया भी सिर्फ 35 रुपए होगा।

- **लोगों ने तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया**–इतनी बड़ी तादाद में आप मुझे आशीर्वाद देने आए, मेरा सौभाग्य है। मुझे आपकी अपेक्षाओं का भी अहसास है। आप चाहते थे कि तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैं जल्द से जल्द आपके बीच आऊं। देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है। एक सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है।
- **100 दिन में 15 लाख करोड़ की परियोजनाएं शुरू**– लोग मोदी का के बारे में भांति-भांति की बातें करते रहे। मैंने भी सोच लिया था कि जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लो, मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा। हर अपमान को सहते हुए मैं देश के लोगों के कल्याण के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में जुटा रहा। मैंने तय किया था कि मुझे देश के कल्याण के जिस रास्ते पर चलना है, मैं उस रास्ते से भटकूंगा नहीं। आज खुशी है कि इन सभी अपमानों को हटाते हुए इन 100 दिनों में हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की हो गई है। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कई परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है।

सुप्रभात

सबसे पहला और बड़ा सुख
नारियल की रस्सी से
बुनी खाट का था
पर कितने दिन का यह सुख!
धीरे-धीरे ढीली हुई और
झूलने लगी रस्सी
तब थोड़ा दुख हुआ पहली बार
पर कुछ ही समय का था यह दुख
कसी गई रस्सी और
ठपकारने पर उछलने लगी
हाथ की मार
तब चेहरे पर मुस्कान लिए
लौट आया सुख
सुख उस समय भी ख़त्म नहीं हुआ
जब खाट की रस्सी पर
गांठ पर गांठ लगने लगी और पायते का
हिस्सा बढ़ते-बढ़ते आ
लगा कमर तक
पाँवों के झूलने और सधी रहे कमर
एक सुख था
इसे भी साधने की जुगत का
दुख पास नहीं फटका तब भी कभी
दुख तो तब आया जब एक दिन
खाट खड़ी कर दी गई
और भाग खड़ी हुई
सुख की नींद..।

– वसंत सकरगाए

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकसित गुजरात मॉडल सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय: मुख्यमंत्री

बिना ऊर्जा के विकास संभव नहीं, नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि को अभियान के रूप में लेना प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता को दर्शाता है

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में राज्य सरकार प्रगति पथ पर अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में विकसित हुआ गुजरात मॉडल सभी राज्यों के लिए

- **प्रधानमंत्री श्री मोदी का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माना आभार**

अनुकरणीय है। देश में ऊर्जा तथा विशेष कर नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि को अभियान के रूप में लेना प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता को दर्शाता है। री-इन्वेस्ट 2024 कार्यक्रम इसी कड़ी में आज गुजरात में आयोजित किया गया है।

भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिभर बनाने में हर संभव योगदान देगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम करने और सोलर एनर्जी-विंड एनर्जी, हाइडल पावर के क्षेत्र में गतिविधियों का विस्तार इस कार्यक्रम में विचार-विमर्श के प्रमुख बिंदु हैं। बिना ऊर्जा के विकास संभव नहीं है। वर्तमान परिदृश्य में नवकरणीय ऊर्जा सोने पर सुहागा जैसी है और इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नवकरणीय ऊर्जा के माध्यम से वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य दिया है, इसे प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अपना हर संभव योगदान देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने री-इन्वेस्ट 2024 कार्यक्रम में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास पथ पर अग्रसर होने संबंधी मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधी नगर में मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

सूर्य किरण टीम ने आसमान में धुएं से बनाया तिरंगा

जैसलमेर में वायुसेना का एरोबेटिक शो, डीएनए और Y फॉर्मेशन भी बनाई

जैसलमेर (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने सोमवार को जैसलमेर के देदानसर मैदान में करतब दिखाए।

'सूर्य किरण एरोबेटिक शो' में आसमान में विमानों की कलाबाजी देखकर लोग हैरान रह गए। शाम 4 बजे वायुसेना स्टेशन से सूर्य किरण के 9 हॉक्स विमानों ने उड़ान भरी। तीन-तीन के सेट में एक के बाद एक उड़ान भरते हुए विमानों ने आसमान में धुएं से तिरंगा बनाया। यूथ को डेडिकेट करते हुए 'Y' फॉर्मेशन बनाई। सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने पहली बार जैसलमेर के देदानसर मैदान के ऊपर प्रदर्शन किया।

तिरंगा देखकर जोश में आए लोग– ग्रुप कैप्टन जीएस ढिल्लो ने टीम को कमांड किया। टीम के डिप्टी लीडर ग्रुप कैप्टन सिद्देश कार्तिक थे। सूर्य किरण की टीम लेफ्ट से तेजस फॉर्मेशन में आई। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की शेप में 9 हॉक्स विमान 'तिरंगा' शेप में धुआं छोड़ते हुए आए।

- **1000 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आए विमान**

लेफ्ट से विंग कमांडर राजेश की टीम के 2 हॉक्स विमान 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आए। राइट से इसी स्पीड से आए 2 अन्य हॉक्स ने आमने-सामने होकर एक-दूसरे को क्रॉस किया। तभी लेफ्ट से 5 हॉक्स के बीच से राइट से एक हॉक्स विमान ने क्रॉस कर करतब दिखाए। फिर लेफ्ट साइड से 5 हॉक्स 'डीएनए' फॉर्मेशन में आए। 3 विमान बीच में रहे और 2 ने तीनों के चक्कर लगाए। तभी सामने से 2 विमान आए और सीधे दर्शकों के ऊपर से उड़ान भरी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में गरजे अमित शाह

'आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि यह कभी बाहर न आ सके'

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन केंद्र शासित प्रदेश में इसे इतना नीचे दफन किया जाएगा कि यह कभी बाहर न आ सके। शाह ने किश्तवाड़ में एक जनसभा में दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस का गठबंधन जम्मू-कश्मीर में सरकार नहीं बना पाएगा।

आतंकवाद को मिट्टी में कर देंगे दफन– अमित शाह ने यहां पद्देर-नागसेनी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार

एवं पूर्व मंत्री सुनील शर्मा के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि वह कभी बाहर न आ सके।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के घोषणापत्र में आतंकवादियों को छोड़ने की बात कही गई है और इस तरह आतंकवाद को फिर से मजबूत करने की कोशिशें जारी हैं।

यह चुनाव दो ताकतों के बीच

गृह मंत्री ने कहा, ''यह चुनाव दो ताकतों के बीच है, एक तरफ नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी (पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) और दूसरी तरफ भाजपा। नेकां-कांग्रेस कह रही हैं कि अगर हम सरकार बनाते हैं तो हम अनुच्छेद 370 को बहाल करेंगे। मुझे बताइए कि क्या इसे बहाल किया जाना चाहिए? भाजपा ने पहाड़ी और गुज्जर समुदायों तथा अन्य लोगों को जो आरक्षण दिया है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ मंगलवार, 17 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

● यूपी में 4 नदियां उफान पर, 190 गांवों में बाढ़ ● भोपाल-जबलपुर समेत म.प्र.के 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने 10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तर प्रदेश में 5 दिन से हो रही भारी बारिश के कारण सरयू, शारदा, गंगा और घाघरा नदी उफान पर हैं। वाराणसी में बाढ़ से 25 हजार लोग प्रभावित हैं। 85 घाट गंगा में डूब गए हैं।

लखीमपुर में शारदा नदी के खतरे के

निशान के ऊपर बहने के कारण 170 गांव में 1 लाख लोग फंसे हैं। गोंडा में घाघरा नदी में 3 डूबने से 3 लोगों की मौत हो गई। यहां 20 गांवों में बाढ़ है। वहीं मध्य प्रदेश में भोपाल, जबलपुर समेत 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजस्थान के 15 जिलों में कल से भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नितिन गडकरी ने सुनाई खरी-खरी

● सिस्टम में बैठे हैं 'न्यूटन के बाप', जहां पैसों के वजन से चलती है फाइल

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सरकारी विभागों में व्याप्त करप्शन के लिए नौकरशाही पर निशाना साधा है। रविवार को उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ के 'इंजीनियर्स डे' समारोह में फिर बेबाक बयान दिया। केंद्रीय मंत्री ने सरकारी तंत्र में करप्शन की चर्चा करते हुए कहा कि विभागों में फाइलें उन पर रखे वजन के हिसाब से आगे बढ़ती है। उन्होंने विकास के लिए सरकारी

विभागों में पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णय की आवश्यकता को जरूरी बताया। कार्यक्रम में टेस्ला, जेपी मॉर्गन जैसी कई बहुराष्ट्रीय फर्मों, राज्य और केंद्र सरकार में काम करने वाले इंजीनियर मौजूद थे।

गड्ढा भरने के लिए भी आदेश का इंतजार करते हैं अफसर- पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने सिस्टम में नौकरशाही रवैये पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाइवे प्रोजेक्ट, रोड एक्सिडेंट और हादसों में होने वाली मौतों के लिए दोषपूर्ण डीपीआर को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सिस्टम में ऐसे अफसर हैं, जिन्हें हर चीज के लिए आदेश की आवश्यकता होती है। यहां तक कि सड़कों पर गड्ढे भरने के लिए भी वह आदेश का इंतजार करते हैं।

उदयपुर पालनपुर हाइवे पर भीषण सड़क हादसा

● 8 लोगों की मौत, 23 लोग गंभीर घायल

सिरोही (एजेंसी)। राजस्थान के सिरोही जिले में बीती रात बड़ा भीषण सड़क हादसा सामने आया। इस दौरान एक ट्रक और तूफान ट्रेक्सी जीप के बीच भीषण भिड़ंत हुई। इसमें आठ लोगों के दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब

डेढ़ दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उदयपुर-पालनपुर हाईवे पर पिंडवाड़ा की केंटल पुलिया के समीप बीती रात हुआ। इस हादसे से हाईवे पर जाम लग गया। वहीं क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

राजौरा या एसएन मिश्रा बन सकते हैं नए मुख्य सचिव

वीरा राणा को नहीं मिलेगा एक्सटेंशन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार 13 दिसंबर को अपना एक साल पूरा करेगी। उससे पहले सरकार के प्रशासनिक चेहरे बदल जाएंगे। दरअसल, मौजूदा मुख्य सचिव वीरा राणा 30 सितंबर तो डीजीपी सुधीर सक्सेना 30 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। वीरा राणा को दूसरी बार एक्सटेंशन देने के लिए सरकार ने केंद्र को कोई पत्र नहीं लिखा है। नए सीएस और डीजीपी कौन होंगे इसके लिए कवायद शुरू हो गई है। मप्र का अगला मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और एसएन मिश्रा में से कोई एक बनेगा।

लापरवाही या प्राकृतिक प्रकोप

● कैमूर पहाड़ी पर सैलानियों ने एक पेड़ को पकड़ गुजारी पूरी रात ● 14 घंटे तक मौत से जूझते रहे 11 लोग, रूह कंपा दी ● 14 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सकुशल बाहर

कैमूर (एजेंसी)। रोहतास जिले के कोचस के 11 लोग कैमूर पहाड़ी पर स्थित करकटगढ़ जलप्रपात में पिकनिक मनाने गए थे। अचानक पानी बढ़ने से ये लोग फंस गए। 14 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया है कि कोचस के रहने वाले सभी पर्यटक कैमूर पहाड़ी पर स्थित करकटगढ़ जलप्रपात घूमने गए थे। नहाते वक्त अचानक बारिश होने लगी और जलप्रपात का जलस्तर बढ़ गया। देखते ही देखते पानी का बहाव इतना तेज़ हो गया कि सभी लोग फंस गए।

14 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सकुशल बाहर

लगभग 14 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी 11 लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया और उनका मेडिकल चेकअप कराया गया। फंसे हुए लोगों में सरोज कुमार, अजीत कुमार, मोहम्मद फिरोज, अरमान अली, निर्भय पांडे, पिंटू चौहान, रोहित कुमार, लाल बाबू सिंह, अरविंद कुमार, वसीम शाही और सरोज कुमार शामिल थे।

भाभी के प्रेम में युवक ने बड़े भाई को रास्ते से हटाया

भाभी ने प्रेमी देवर के साथ मिलकर की पति की हत्या, पुलिस के सामने सुनाई झूठी कहानी

बुरहानपुर (नप्र)। शिकारपुरा में एक महिला ने देवर के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या से पहले महिला ने पति को रास्ते में शराब पिलायी थी। हत्या के बाद महिला ने खुद फोन कर पुलिस को बुलाया और अपने साथ लूट-अपहरण की घटना बताकर गुमराह किया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस को किया गुमराह

घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के लालपड़ाव संग्रामपुर की है। यहां 30 वर्षीय महिला भागा मार्कंडेय ने अपने प्रेमी देवर ईश्वर के साथ मिल कर पति सिद्धू मार्कंडेय की गला घोंट कर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ही पुलिस को फोन करके मौके पर बुला लिया। दुर्गा ने पुलिस को गुमराह करने के लिए चार-पांच नकाबपोश लोगों द्वारा उनके साथ लूटपाट करने और पति का अपहरण कर ले जाने की कहानी गढ़ी।

महिला से पूछताछ के दौरान जब उसने बार-बार बयान बदले तो पुलिस को शक हो गया। पुलिस ने दुर्गा से सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपने देवर ईश्वर के साथ मिल कर पति सिद्धू की हत्या करना स्वीकार कर लिया। शिकारपुरा पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

पति को शराब पिला कर किया था नशे में चूर

एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया कि रविवार सुबह दुर्गा अपने पति सिद्धू के साथ बाइक से जसौंदी निवासी उसके साढ़ू के घर पहुंची थी। वहां उन्होंने साढ़ू से पचास हजार रुपये जरूरी काम बता कर उधार लिए थे। शाम को वहां से संग्रामपुर जाने की जगह दुर्गा किसी बहाने से उसे बुरहानपुर की ओर ले आई। महिला ने इस दौरान रास्ते में दो बार पति को शराब पिलाया। जिससे वह नशे में चूर हो गया था।

रास्ते में मिले छोटे भाई ने कर दी हत्या- रात करीब साढ़े नौ बजे शाहपुर फाटे के पास सुनसान स्थान पर दुर्गा ने बाइक रुकवाई। इसी दौरान पीछा कर रहा सिद्धू का छोटा भाई ईश्वर भी वहां पहुंच गया और दोनों ने रस्सी से उसका गला घोंट कर शव झाड़ियों में फेंक दिया। हत्या के बाद दुर्गा दौड़ कर पास के त्रिमूर्ति ढाबे के पास पहुंची और मोबाइल से पुलिस को लूट व अपहरण की सूचना दी।

पति की पिटाई के कारण पास आए देवर-भाभी

पुलिस ने पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के हवाले से बताया कि सिद्धू शराब पीकर दुर्गा के साथ मारपीट करता था। जिसके चलते वह अपने देवर ईश्वर की ओर आकर्षित हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। तीन दिन पहले सिद्धू ने दोनों को आपत्ति जनक स्थिति में देखने के बाद ईश्वर को जान से मारने की बात कही थी। जिसके चलते दोनों ने इससे पहले सिद्धू को ही मौत के घाट उतारने की योजना बनाई और उसे अंजाम दे डाला।

नया इतिहास रचेगा यूपी, देश की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा

● हजारों अभ्यर्थियों को एक साथ प्रशिक्षण देगी पुलिस

लखनऊ (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा कराने का रिकॉर्ड कायम करने के बाद यूपी पुलिस अब प्रशिक्षण क्षमता में भी नया इतिहास रचने की तैयारी में है। सिपाही भर्ती के 60 हजार अभ्यर्थियों को एक साथ प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। बता दें कि बीते कई वर्षों के प्रयास के बाद प्रदेश पुलिस ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता को ढाई गुना से अधिक करने में सफलता हासिल की है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो प्रदेश में वर्तमान में करीब 40 हजार सिपाहियों को एक-साथ प्रशिक्षण देने की क्षमता विकसित की जा चुकी है, जिसे आगामी छह माह में 60 हजार करने का लक्ष्य तय किया गया है।

'केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है' सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को त्रिपुरा के दौरे पर पहुंचे। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केवल 'मुरली' से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए 'सुदर्शन' भी आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश पर हो रही हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि बगल में हजारों किमी की सीमा के अंदर जो हमारे भाई-बंधु रह रहे हैं। उनकी क्या स्थिति है।

इंदौर हाईकोर्ट बोला-

निर्भया कांड से भी सबक नहीं लिया

4 साल की मासूम के दुष्कर्मी की अपील खारिज; 10 साल की सजा हुई है

इंदौर (नप्र)। इंदौर हाईकोर्ट ने चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की सजा के खिलाफ दायर हुई अपील को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट बैंच ने नाबालिग अपराधियों के मामले में देश में नरम कानूनों पर भी अफसोस जताया है। आरोपी अभी 23 साल का है,जब उसने अपराध किया था तब उम्र 17 साल 3 महीने और 27 दिन थी। उसके खिलाफ निचली अदालत ने 2019 में रेप और पॉक्सो एक्ट में 10-10 साल की सजा सुनाई थी। उसने इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की थी जिस पर 11 सितंबर को हाई कोर्ट जस्टिस सुबोध अभ्यंकर ने फैसला दिया।

हाई कोर्ट ने इस मामले में कहा कि कोर्ट को एक बार फिर यह टिप्पणी करते हुए दुख हो रहा है कि इस देश में नाबालिग अपराधियों के साथ बहुत नरमी बरती जा रही है। ऐसे अपराधों के पीड़ितों का दुर्भाग्य है कि विधानमंडल ने निर्भया की भयावहता से अभी तक कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि इस देश के संवैधानिक न्यायालयों द्वारा बार-बार ऐसी आवाजें उठाई जा रही हैं, लेकिन पीड़ितों के लिए यह बेहद निराशाजनक है कि वे 2012 में हुए निर्भया कांड के एक दशक बाद भी विधानमंडल पर कोई प्रभाव नहीं डाल पाए हैं।

बालगृह से भागने का मामला भी उठा- इस मामले में हाई कोर्ट में यह बात भी आई कि यह घटना 29 दिसंबर 2017 को हुई थी, जब पीड़िता की मां ने अपनी चार वर्षीय बेटी को बेहोश पाया और उसके गुप्तांगों से खून बह रहा था। आरोपी ने 17 साल की उम्र में अपराध किया था। दो साल के भीतर मई 2019 में जिला अदालत ने उसे जुवेनाइल एक्ट में दोषी मानते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। जिला कोर्ट ने कहा था कि आरोपी की उम्र 21 साल होने तक उसे बाल सुधारगृह में रखा जाए। उसके बाद जेल में शिफ्ट कर दें।

इसी बीच, आरोपी जिला कोर्ट के फैसले के चार महीने के भीतर सितंबर 2019 में बाल सुधार गृह से सात अन्य के साथ फरार हो गया था। कोर्ट में उसकी इस हरकत को लेकर भी जानकारी दी गई कि आरोपी ने न सिर्फ अपराध किया, बल्कि 18 साल की आयु होने के बाद पुनः बालगृह से भागकर एक और अपराध किया।

आरोपी के वकील के तर्क खारिज किए- आरोपी के वकील ने तर्क दिया था कि किराए के विवाद के कारण मामला गढ़ा गया है। वकील ने पीड़िता की उम्र के दस्तावेजों पर सवाल उठाया। इस पर अदालत ने कहा कि पीड़िता की मां जो खुद घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची थी, जहां उसने आरोपी को अपनी बेटी के पास खड़ा पाया था। पहले से ही खून बह रहा था। आरोपी के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करने और असली अपराधी को बचाने का कोई कारण नहीं था। अपीलकर्ता को सही तरीके से दोषी ठहराया गया है। इसके अलावा अदालत ने मेडिकल गवाही और परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर पीड़िता की उम्र को विश्वसनीय पाया।

कोलकाता रेप-मर्डर, सीएम ममता ने पांचवीं बार डॉक्टर्स को बुलाया

● कहा- ये आखिरी मौका, लाइव स्ट्रीमिंग और रिकॉर्डिंग नहीं होगी, 15 डॉक्टर्स ही आएं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स को ममता बनर्जी ने सोमवार को बातचीत का आखिरी मौका दिया। बंगाल सरकार ने जूनियर डॉक्टर्स को आज शाम 5 बजे मुलाकात के लिए बुलाया गया था। डॉक्टर्स की ओर से कोई बयान नहीं आया है। ये बातचीत का 5वां बुलावा है। इससे पहले 4 बार मीटिंग तय हो चुकी है। 14 सितंबर को मुख्यमंत्री ममता खुद डॉक्टर्स के प्रदर्शन स्थल पर गई थीं और बातचीत के लिए कहा था। डॉक्टर मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग, वीडियोग्राफी को लेकर अड़े हुए हैं। बंगाल सरकार ने कहा कि वीडियोग्राफी और लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जाएगी। डॉक्टर्स के मेंबर्स की संख्या 30 नहीं, बल्कि 15 रहेगी।

आरएसएस प्रमुख बोले- देश में अच्छे-बुरे के जिम्मेदार हिंदू, क्योंकि वही राष्ट्र के कर्ताधर्ता

नई पीढ़ी संस्कार भूल रही, यह चिंता का विषय

अलवर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- देश में कुछ अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है। कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है, क्योंकि वही इस देश के कर्ताधर्ता हैं।

उन्होंने हिंदू धर्म की परिभाषा बताते हुए कहा- जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, यह वास्तव में मानव धर्म है। विश्व धर्म है और सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। उन्होंने पारिवारिक संस्कारों को लेकर भी चिंता जताई। कहा- देश में परिवार के संस्कारों को खतरा है। मीडिया के दुरुपयोग से नई पीढ़ी बहुत तेजी से अपने संस्कार भूल रही है। यह चिंता का विषय है।

संघ कैसे काम करता है ये समझना जरूरी

मोहन भागवत 5 दिन के अलवर प्रवास पर हैं। नगर एकत्रीकरण कार्यक्रम के पहले दिन रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अगले साल संघ की स्थापना को 100 साल पूरे हो रहे हैं। संघ की कार्य पद्धति लंबे समय से चली आ रही है। हम कार्य करते हैं तो उसके पीछे विचार क्या है? यह हमें ठीक से समझ लेना चाहिए। अपनी कृति के पीछे यह सोच हमेशा जागृत रहनी चाहिए। हमें देश को समर्थ करना है। हमने प्रार्थना में ही कहा है कि यह हिंदू राष्ट्र है। हिंदू समाज इसका उत्तरदायी है।

केजरीवाल ने एलजी से मिलने का समय मांगा

● आज मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे; बैठक में तय होगा कौन होगा दिल्ली का अगला सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना से मिलने का समय मांगा है। वो आज मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इससे पहले दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया केजरीवाल से मिलने उनके घर पहुंचे थे।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं में अगले सीएम को लेकर चर्चा हुई। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा अभी सीएम के नाम पर चर्चा नहीं हुई है। इस पर फैसला केजरीवाल के इस्तीफे के बाद विधायक दल लेगा। सोमवार को राजनीतिक मामलों की कमेटी की बैठक के बाद अगली सीएम कौन होगा पता चलेगा।

आज अनंत चतुर्दशी

अब विश्व धरोहर बने हमारी परंपरा ; खान-पान, बैठक, पार्किंग सुधारें

तो टूट सकता है 5 लाख दर्शकों का 6 साल पुराना रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। आज अनंत चतुर्दशी पर हमारी झांकी परंपरा का इस बार 101वां वर्ष है। परिस्थितियां कैसी भी रही हों, चल समारोह में लोगों के शामिल होने का उत्साह कभी कम नहीं हुआ। साल 2018 में रिकॉर्ड 5 लाख लोग शामिल हुए। वर्ष 2019 में चल समारोह के दौरान ही एकमुश्त 2 इंच बारिश के बाद भी कारवां नहीं थमा। इस ऐतिहासिक धार्मिक उत्सव में लोगों की सहभागिता और कैसे बढ़ाई जाए, इस पर मीडिया ने चल समारोह मार्ग के रहवासी, दुकानदारों और प्रबुद्धजन से उनके विचार जाने। सभी ने कहा- पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर अगर झांकी मार्ग पर बैठक, खान-पान व्यवस्था और पार्किंग के साथ ही सुविधाघर जैसी जरूरतों को और बेहतर बना दे तो इस बार लोगों के शामिल होने के पिछले सारे रिकॉर्ड टूट सकते हैं। सभी ने एक स्वर में कहा, अब समय आ गया कि हमारी इस परंपरा को भी यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में स्थान मिले। इसके लिए वे हरसंभव मदद को तैयार हैं।

प्रयास करें तो दोगुना होगा उत्साह : समय पर निकलें झांकियां, स्वागत मंच सीमित हों

सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे कहते हैं, प्रशासन ने रंगपंचमी पर भवनों की छतों को किराए पर दिया था। इसी तर्ज पर प्रशासन को झांकी देखने का इंतजाम भी करना चाहिए। लोग पैसा देने को तैयार हैं, बस उन्हें सुविधाएं और सुरक्षा चाहिए। झांकी का समय भी निर्धारित करना चाहिए। कोशिश हो कि रात 2 बजे तक सारी झांकियों के दर्शन हो जाएं। जहां बैठने की व्यवस्था है, वहीं पर लोगों को पार्किंग भी मिले। झांकियों के बीच जहां गैप ज्यादा हो, वहां महिलाओं की भजन मंडली लोगों का ध्यान खींच सकती है।

पार्किंग का बेहतर इंतजाम करेंगे

इस बार हम जुलुस मार्ग के आसपास पूरी प्लानिंग से पार्किंग का बेहतर इंतजाम करेंगे, ताकि लोगों समस्या नहीं हो। झांकी मार्ग में जो स्थान किराए पर देने जैसे होंगे, उन पर प्रशासन गंभीरता से विचार करेगा। लोगों के लिए कुर्सियों का इंतजाम करेंगे। संगठनों को खाने-पीने की सामग्री के लिए स्टॉल लगाने की अनुमति मिलेगी। झांकी निकलने के समय पर विचार किया जाएगा। अस्थायी सुविधाघर लगाने का प्रयास भी करेंगे।

– आशीष सिंह, कलेक्टर

गड़बड़ी पर तुरंत हिरासत में लेंगे

झांकी मार्ग में इस बार 6 स्थानों पर कंट्रोल रूम रहेंगे, ताकि कहीं से भी गड़बड़ी की सूचना मिले तो तत्काल फोर्स पहुंच सके। वॉच टॉवर और सीसीटीवी कैमरों से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। सिविल ड्रेस में भी पुलिस तैनात रहेगी। नशेड़ी और हुड़दंगियों को तत्काल लॉकअप में बंद करेंगे।

– राकेश गुप्ता, पुलिस कमिश्नर

आज शाम 6 बजे से झांकी मार्ग पर वाहनों के प्रवेश पर रोक

अनंत चतुर्दशी चल समारोह मंगलवार शाम 6 बजे शुरू होगा। जैसे ही झांकी निकलना शुरू होंगी, पूरे झांकी मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर देंगे। डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी ने बताया कि डीआरपी लाइन से चल समारोह शाम 6 बजे शुरू होगा। यह चिकमंगलूर चौराहा से जेल रोड चौराहा, एमजी रोड चौराहा, मृगनयनी, फ्रूट मार्केट, नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग, नृसिंह बाजार, क्लॉथ मार्केट, खजूरी बाजार से राजबाड़ा और वहां से नगर निगम होते हुए झांकियां फिर अपने-अपने स्थानों पर जाएंगी। मरीमाता से रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड जाने वाले वाहन भागीरथपुरा तिराहे से एमआर-4 होकर राजकुमार ब्रिज के नीचे से गुजरेंगे। जवाहर मार्ग से नंदलालपुरा होकर यशवंत रोड चौराहा जाने वाले सैफी चौराहे से हाथीपाला होकर जा सकेंगे। मधुमिलन से नंदलालपुरा, यशवंत रोड चौराहा, राजमोहल्ला जाने वाले वाहन फॉरेस्ट तिराहा से अग्रसेन चौराहा, सपना संगीता रोड से जा सकेंगे। रीगल, लैंटर्न चौराहा से मरीमाता जाने के लिए राजकुमार ब्रिज के नीचे से एमआर-4, भागीरथपुरा होते हुए मरीमाता की ओर जा सकेंगे। रीगल चौराहा से शास्त्री ब्रिज होकर मृगनयनी, राजबाड़ा, यशवंत रोड चौराहा जाने के लिए जीपीओ, फॉरेस्ट टी से अग्रसेन, सपना संगीता रोड का उपयोग करें। नंदलालपुरा, यशवंत रोड, रामलक्ष्मण बाजार, नृसिंह बाजार, गौराकुंड, शक्कर बाजार, सुभाष चौक, राजबाड़ा, कृष्णपुरा पुल तक समस्त प्रकार के वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी।जवाहर मार्ग का उपयोग करने वाले वाहन राजमोहल्ला चौराहा से या मालगंज चौराहा से बियाबानी, दरगाह चौराहा या महूनाका, मच्छी बाजार, पंढरीनाथ, चंद्रभागा पुल से होकर बड़ा रावला होकर जा सकेंगे। मल्हारगंज थाने से एमजी रोड होकर राजबाड़ा, मृगनयनी आने वाले वाहन मल्हारगंज थाने से एसीपी मल्हारगंज कार्यालय, बड़वाली चौकी होकर सुभाष मार्ग से नगर निगम की ओर जा सकेंगे। राजकुमार ब्रिज से डीआरपी चौराहा भी न जाएं। भागीरथपुरा तिराहे से भंडारी ब्रिज तिराहा की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे। रीगल से शास्त्री ब्रिज, मृगनयनी की ओर भी प्रतिबंधित रहेंगे। सैफी चौराहा से संजय सेतु, नंदलालपुरा तरफ भी प्रतिबंध रहेगा।। नगर निगम चौराहा से मृगनयनी, चिकमंगलूर की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहन नहीं जा सकेंगे। राजकुमार ब्रिज से डीआरपी चौराहा की ओर भी प्रतिबंध रहेगा। पूरे चल समारोह के मार्ग पर वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित होंगे।

26 झांकियां इस बार निकलेंगी, 15 झांकी मिलों ने बनाई हैं, 11 झांकियां शासकीय हैं, 90 अखाड़े होंगे शामिल- खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पंडित अशोक भट्ट कहते हैं, लोग परिवार सहित पहुंचते हैं। वे चाहते हैं महिलाएं जुलूस के दौरान सुरक्षित रहें। उन्हें बैठने की अच्छी जगह मिले। पुलिस-प्रशासन को इस दिशा में काम करना चाहिए। खाने-पीने के अच्छे इंतजाम हों। हम खजराना मंदिर की तरफ से सब्जी-पूड़ी के पैकेट वितरित करेंगे। बेसिक ड्रग्स डीलर्स एसो. के महासचिव जयप्रकाश मूलचंदानी ने कहा, प्रशासन पार्किंग व्यवस्था सुधारे, ताकि झांकी देखने आए लोगों को अपने वाहनों की फिक्र न हो।

इंदौर में सुबह ठण्डी हवाओं वाला रहा मौसम

बादल छाने के बाद खिली धूप, कहीं-कहीं रिमझिम आसार, एक-दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सोमवार सुबह काफी देर तक ठण्डी हवाएं चलती रही। इसके साथ ही बादल छाए रहे। फिर 9 बजे तेज धूप खिली और मौसम पूरी तरह से साफ है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आज दोपहर बाद कहीं-कहीं फुहारें और रिमझिम हो सकती है। कल भी मौसम ऐसा ही रहेगा।दरअसल अभी बंगाल की खाड़ी से एक्टिव हुए लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ की वजह से अगले 3 दिन पूरा मध्य प्रदेश भीगेगा। इस सिस्टम का असर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में ज्यादा दिखेगा। मौसम विभाग के मुताबिक इंदौर, उज्जैन संभाग के कुछ जिलों में गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति रह सकती है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर कई आयोजन

इंदौर (एजेंसी)। ईद मिलादुन्नबी पर इंदौर शहर सहित आजाद नगर में भी ईद मिलादुन्नबी का जुलूस निकला। जुलूस कोहिनूर कॉलोनी से शुरू होकर मदीना नगर, वॉटर पंप मैदान, गोली कारखाना होते हुए आजाद नगर गोल चौराहे पर पहुंचा।पूरे मार्ग पर जगह-जगह मंच से लोगों का स्वागत किया गया। मुस्लिम पिंडारा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा भी इस्तकबाल किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम पिंडारा वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष वसीम अहमद, यूनुस खान, जावेद खान लियाकत खान, नजर मोहम्मद, मोर साहब, नौशाद अली, डॉक्टर युसूफ खान सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में आजाद नगर चौराहे पर सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

इंदौर में सहयोग ग्रुप के सदस्य पहुंचे जगन्नाथ वृद्धाश्रम

इंदौर (एजेंसी)। सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप के सदस्य गंगवाल बस स्टैण्ड के पीछेस्थित जगन्नाथ वृद्धाश्रम पहुंचे। वहां पर उन्होंने बुजुर्गों के साथ दिन व्यतीत किया। इस दौरान बुजुर्गों के साथ गेम्स खेले, भजन गाए और नृत्य किया। संयोग से एक बुजुर्ग सुधीर सावे का जन्मदिन होने पर सभी ने उनकी आरती उतारकर उनकी लंबी आयु की कामना की। इस तरह जन्मदिन मनाने पर वे गदगद हो गए। सभी सदस्यों को बहुत आनंद की अनुभूति हुई। वृद्धाश्रम से लौटते वक्त सभी की आंखें नम हो गईं, फिर मिलने के वादे के साथ सोशल ग्रुप के सदस्य रवाना हुए।

रिटायर्ड जेल प्रहरी से मांगे 2 लाख

दो पर केस, सीसीटीवी कैमरे भी ले गए

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी में बीजेपी नेता सहित दो लोगों पर रिटायर्ड जेल प्रहरी के प्लाट पर कब्जा करने और कब्जा छोडने के एवज में एवज में 2 लाख रुपए मांगने के मामले में अड़ी बाजी और धमकाने का केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब दोनों की तलाश कर रही है।

टीआई आशीष सप्रे ने रिटायर्ड जेल प्रहरी कमलेश दुबे की शिकायत पर प्रेम प्रजापत और बीजेपी नेता सुनील पालीवाल पर अड़ी बाजी और जबरन कब्जा करने के मामले में केस दर्ज किया है। कमलेश दुबे ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी मां स्व सावित्री दुबे ने ऋषि नगर मे एक प्लाट लिया। तब से प्लाट पर उनका आधिपत्य है। उस प्लाट पर उनके नाम से नल कनेक्शन है और टैक्स भी भर रहे है। यहां प्लाट पर कॉलोनी वाले कचरा फेकते हैं तो दो माह पहले सीसीटीवी कैमरे लगाए। 10 सितंबर को प्लाट पर सफाई करवाते हुए चूना डलवाया। वही 13 सितंबर को यहां गड्ढे करवाए। 14 की सुबह प्लाट पर निर्माण कार्य चल रहा था। तभी प्रेम और उसका साथी सुनील आया और गालियां दी। दोनों ने कहा कि अगर प्लाट पर निर्माण करना है तो 2 लाख रुपए वसूली के देने पड़ेंगे। इस प्लाट की मेरे पास रजिस्ट्री है। इस पर कमलेश ने कहा कि उक्त प्लाट के दस्तावेज,रसीद और नोटरी साल 1993 से उसके पास है। उसने हाथा पाई कर दी। इसमें हाथ में चोट आई। इसके बाद धमकी दी कि अगर प्लाट पर काम करना है, तो 2 लाख देना पड़ेंगे। नहीं तो प्लाट पर काम नहीं करने देगा। प्रेम ने कहा कि उसने पहले भी हत्या की हुई है। उसके खिलाफ कई अपराध हैं। इसके बाद प्रेम और सुनील ने जाते-जाते दो सीसीटीवी कैमरे तोड़े और अपने साथ खींचकर ले गए। कमलेश बाद में थाने पहुंचे और दोनों पर केस दर्ज करा दिया।

एक ही प्लॉट की दो रजिस्ट्री

इस मामले में जानकारी सामने आई है कि प्रेम प्रजापत ने भी उक्त प्लाट की रजिस्ट्री प्लाट मालिक साबिर से करवाई थी। जिसमें उन्होंने कमलेश को लेकर शिकायत की थी। जिसकी जांच पहले से थाने में चल रही थी। इसे लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत भी हुई थी। लेकिन मामले में कमलेश को लेकर कार्रवाई नहीं हुई।

करंट लगने से काटने पड़े दोनों हाथ-पैर

एक साल तक डिप्रेशन में रहे इंदौर के कारीगर ; अब आर्टिफिशियल हाथ-पैर से मिली नई जिंदगी

इंदौर (एजेंसी)। घर में किसी काम के दौरान लोहे की सीढ़ी उठाई और छत पर चढ़ा। इस दौरान सीढ़ी हाईटेंशन लाइन से टकरा गई और मैं करंट की चपेट में आ गया। हादसे में मेरे दोनों हाथ और पैर झुलस गए। इस कारण चारों को कोहनी और घुटनों के नीचे से काटना पड़ा। अगर नहीं काटते तो शरीर में इन्फेक्शन फैल जाता। इसके बाद बिस्तर पर ही उनका जीवन बीता। रविवार को मेरी अंधियारी जिंदगी में फिर उजाला हो गया।यह कहना है देवगुराडिया निवासी जगदीश बागड़ी (47) का। रविवार को एक कैम्प में उनके दोनों हाथ और पैर (आर्टिफिशियल) फिट किए गए। ये चारों लगने के बाद तो वे धीरे-धीरे चलने लगे और अपने हाथ से कप उठाकर चाय भी पी। वे सालभर बाद चलकर घर पहुंचे। इसके लिए न केवल उनका विल पॉवर और आत्मविश्वास आधार रहा बल्कि उनके हाथ-पैर बनाने वाली टीम की भी खूब मेहनत रही।रविवार को कैम्प में उनके दोनों हाथ-पैर लगाकर काफी देर तक प्रैक्टिस कराई गई। इस दौरान वे काफी दूर तक चले। ऐसे ही कृत्रिम हाथ को काफी देर तक मूव किया और खुद चाय का कप उठाकर चाय पी। साथ ही लोगों से हाथ मिलाकर अभिवादन किया।

750 से ज्यादा दिव्यांगों में सबसे अलग तरह का केस

कैम्प में 750 से ज्यादा दिव्यांग आए थे। इसमें किसी का दुर्घटना, बिजली या अन्य किसी हादसे में हाथ, पैर, पंजा, उंगलियां आदि कट चुके थे। कुछ केस में दोनों हाथ कटने के थे तो किसी के दोनों पैर कटे थे। किसी का एक हाथ और एक पैर कटा लेकिन जगदीश का केस इन सबसे अलग था क्योंकि उनके दोनों हाथ और दोनों पैर काटना पड़े। मामला देवगुराडिया निवासी जगदीश बागड़ी (47) का है। परिवार में पत्नी कुंती, बेटा संजू और बुजुर्ग मां कमला हैं। दो बेटियां भी हैं जिनकी आठ साल पहले शादी हो चुकी है। जगदीश पेशे से कारीगर है और मूलत: भोपाल के है। पिछले साल वे इंदौर में परिवार सहित एक जगह काम करने आए थे।

इंदौर एयरपोर्ट नो फ्लाइंग-रेड जोन घोषित

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां तेज, 3 किमी क्षेत्र में फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर रोक

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थल को नो फ्लाइंग जोन और रेड जोन घोषित किया गया है। 17 सितंबर से 19 सितंबर तक एयरपोर्ट सहित मृगनयनी एम्पोरियम एमजी रोड, रेसीडेंसी कोठी और खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय नो फ्लाइंग जोन रहेंगे। एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थल के 3 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन, पैरा ग्लाइडर और अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर रोक रहेगी। बता दें कि 18 और 19 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदौर में रहेगी।इधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 18 और 19 सितंबर के प्रस्तावित इंदौर दौरे को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति के इंदौर दौरे की तैयारियां की है। इंदौर नगर निगम द्वारा भी राष्ट्रपति के इंदौर दौरे को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है।

इंदौर से आठ माह पहले गायब युवती घर पहुंची

पूर्व पड़ोसी पर दर्ज कराया रेप का केस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की लसूडिया पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके पूर्व पड़ोसी के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है। आरोपी आठ माह पहले युवती को अपने साथ ले गया था। उसे गुजरात में रखा और उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद इंदौर में कमरे में बंधक बनाकर रखा। युवती मौका मिलने पर अपनी मां के पास पहुंची। बाद में थाने आकर केस दर्ज कराया। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ओमेक्स सिटी के पास में रहने वाली एक युवती की शिकायत पर उसके पूर्व पड़ोसी दिनेश भांवर के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पिता की 8 साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपने परिवार के साथ जहां रहती थी, वहां दिनेश नजदीक ही रहता था। इसलिए उससे जान-पहचान थी। होली के त्योहार पर दिनेश ने कहा कि वह उसे पसंद करता है।

इंदौर के लापता डॉक्टर के मिलने की कहानी

माफीनामे से मूड खराब हुआ, महाकाल के दर्शन कर रामघाट पर बैठा था, तभी गलती का अहसास हुआ

इंदौर (एजेंसी)। चार दिन पहले महिला डॉक्टर द्वारा छेड़छाड़ के आरोप लगाने के बाद एमवायएच के डॉ. हेमंत गिरवाल से पुलिस ने ज्यादा पूछताछ नहीं की है। रविवार को रामघाट उज्जैन में पुलिस ने उन्हें तलाश लिया। फिर उनकी मनोस्थिति को देखते हुए इंदौर पुलिस को सौंप दिया। डॉ. गिरवाल का कहना है इस घटनाक्रम से मेरा मूड खराब हो गया था इसलिए यहां से चला गया था। डॉ. गिरवाल ने इसके अलावा भी कई बातें कहीं है, लेकिन पुलिस ने उन्हें रिकॉर्ड पर नहीं लिया है। डॉ. गिरवाल 12 सितम्बर से लापता थे। रविवार दोपहर उनका मोबाइल चालू हुआ और लोकेशन उज्जैन में मिली। फिर रामघाट में लोकेशन मिली। इस पर इंदौर पुलिस ने उज्जैन पुलिस को सूचना दी गई। इस बीच उनके इंदौर के चार साथी डॉक्टर उज्जैन पहुंचे। उधर, उज्जैन के आरडी गार्डी कॉलेज के भी 20 से ज्यादा डॉक्टर उन्हें तलाश करने में जुट गए।संयोगितागंज थाना टीआई सतीश पटेल ने बताया कि डॉ. गिरवाल ने सिर्फ इतना कि मेरा मूड़ खराब हो गया था इसलिए चला गया था। परिजन के कहने पर उन्हें दोस्तों क सौंप दिया है।

साथियों से बोले मैं बेकसूर हूं, मेरी कोई गलती नहीं है

पुलिसकर्मी घाट किनारे पहुंचे तो वे अकेले बैठे थे। जब लाने की कोशिश की तो विचलित हो गए। वहां साथी डॉक्टरों ने पुलिस को कहा कि इनसे ज्यादा बात नहीं करें क्योंकि वे डिप्रेशन में हैं। उन्हें डायबिटीज भी है। इस बीच डॉ. गिरवाल ने कहा कि मैं बेकसूर हूं, मेरी कोई गलती नहीं है। पुलिस ने उन्हें समझाया कि आप डॉक्टर हैं उम्र में बड़े हैं। खुद को संभालिए।

रात 3 बजे इंदौर लाए

पुलिस समझाइश देकर उन्हें महाकाल थाने लाई। फिर इंदौर पुलिस महाकाल थाने पहुंची। फिर रात 3 बजे उन्हें संयोगितागंज पुलिस थाने लाई लेकिन ज्यादा पूछताछ नहीं की। कुछ देर बाद धार निवासी परिजन ने सहमति दी तो पुलिस ने उन्हें दोस्तों को सौंप दिया।

माफीनामा लिखने के बाद मोबाइल बंद कर लिया

सूत्रों के मुताबिक डॉ. गिरवाल ने बताया कि 12 सितम्बर को घटना हुई थी। कमेटी के समक्ष बयान देने के बाद मुझे लगा कि मेरे साथ गलत हो रहा है। इसके बाद वहां से निकला और फोन बंद किया। इसके बाद दोस्तों के पास चला गया। बाद में मीडिया से अपने बारे में जानकारी लगी। इस बीच एक अन्य दोस्त के घर पहुंचा। वहां से तैयार होकर महाकाल के दर्शन करने चला गया। इसके बाद रामघाट जाकर बैठ गया। यहां लगा कि मुझसे गलती हो गई। तब मैंने परिवार से बात की। मोबाइल चालू होते ही पुलिस को लोकेशर मिल गई।

ऑपरेशन थिएटर में टकराए थे, सीसीटीवी कैमरे नहीं

इधर, साथी डॉक्टरों के मुताबिक घटना आर्थो ऑपरेशन थिएटर में घटना हुई थी। वहां दूसरे विभाग की सीनियर महिला डॉक्टर आई थी। इस दौरान डॉ. गिरवाल इंस्ट्रूमेंट लेकर वहीं मूव हो रहे थे। तभी दोनों टकरा गए थे। इस दौरान महिला डॉक्टर ने उन्हें ओटी स्टाफ के सामने डांट दिया था। ऑपरेशन थिएटर में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। इसके बाद महिला डॉक्टर ने लिखित शिकायत की और कमेटी के समक्ष माफीनामा लिखवाया।महिला डॉक्टर का पीजी छात्रों से हो चुका विवादसाथियों को आरोप है कि महिला डॉक्टर का पहले भी तीन पीजी छात्रों से विवाद हो चुका है। इनमें से एक डॉक्टर को उन्हें ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकाल दिया था। हालांकि इन मामलों में कोई लिखित शिकायत नहीं हुई थी। अस्पताल की कमेटी ने ऑपरेशन थिएटर में मौजूद स्टाफ में किसी के भी लिखित बयान नहीं लिए हैं।

संपादकीय

सड़ता अनाज : जिम्मेदारी तय हो

एक तरफ गरीबों को अन्न के लाले हैं तो दूसरी तरफ सरकारी गोदामों में लाखों टन अनाज रखा-रखा सड़ रहा है। यह स्थिति मप्र के सरकारी अनाज गोदामों की है। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक राज्य के गोदामों में रखा 58 हजार टन (5.76 लाख क्विंटल) गेहूं, ज्वार और बाजरा फिर बर्बाद हो गया। इसका बाजार मूल्य करीब पौने 2 सौ करोड़ रू. होता है। यह अनाज भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रमुख जिलों में रखा था, जो अब इंसानों के खाने लायक नहीं बचा। अब यह जानवरों, मुर्गे (पोल्ट्री के उपयोग) को खिलाया जाएगा। कुछ अनाज तो सिर्फ औद्योगिक इस्तेमाल में ही आने की स्थिति में पहुंच चुका है। यह स्थिति तब है जब मप्र कुपोषण के मामले में देश पर कलंक की तरह है। अधिकृत पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के मुताबिक मप्र में 27 प्रतिशत बच्चे कम वजन के मिले हैं। यह देश में सर्वाधिक है। फिर भी मप्र में गोदामों में रखा अनाज सड़ रहा है और किसी के माथे पर कोई शिकन नहीं है। यह मामला भी इसलिए उजागर हुआ, क्योंकि हाल में खाद्य विभाग ने प्रदेश का खराब अनाज बेचने के लिए टेंडर जारी किया है। ये वो अनाज है जो किसानों पर समर्थन मूल्य पर खरीदा गया था। इसके अलावा गेहूं के परिवहन व भंडारण का खर्च अलग है। इस हिसाब से सरकार को यह गेहूं 30 रू. प्रति किलो पड़ा। उसी गेहूं को अब मात्र 2 से 16 रू. किलो के भाव से बेचा जाएगा। प्रदेश में अनाज भंडारण को लेकर लापरवाही का आलम यह है कि घटिया क्वालिटी का होने से प्रदेश का 16 लाख टन गेहूं रखने से एफसीआई ने भी इंकार कर दिया है। ये खराब गेहूं वर्ष कि 2020-21 से लेकर 2023-24 के बीच खरीदा गया है। पिछले साल चार मई को 6628.93 टन खराब अनाज बेचा गया। इसी तरह 3 अगस्त 2023 को जारी टेंडर से भी 10 हजार 986 टन अनाज बेचा गया। चिंता की बात यह है कि सरकारी अनाज की सर्वाधिक बर्बादी वाले जिलों में प्रदेश की राजधानी भोपाल भी शामिल है। यहां सर्वाधिक 9 लाख 84 हजार टन अनाज की बर्बादी राजधानी भोपाल के साथ पूरे संभाग में हुई है। दूसरे नंबर पर जबलपुर है, जहां 3.74 लाख टन और उज्जैन में 1.21 लाख टन अनाज खराब हुआ है। इंदौर में 19,913 टन, सतना में 92,276 टन, सागर में 11 हजार 547 टन और ग्वालियर में 30 हजार 764 टन अनाज खराब हुआ है। भोपाल संभाग के ही बुधनी, आष्टा, रेहटी, नसरुल्लागंज, दिवटिया के कुछ गोदामों में रखा अनाज जानवरों के खाने लायक बचा है। चावल भी खराब होने की खबर है। भोपाल में लापरवाही का आलम कितना है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां तो पूरी सरकार बैठी है। उसके बाद भी अनाज गोदामों में सड़ रहा है, लेकिन कहीं कोई चिंता नहीं है। इस लापरवाही के लिए किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। पिछले दो साल में कार्रवाई के नाम पर करीब 25 गोदाम सहायक सस्पेंड हुए। एक-दो क्वालिटी कंट्रोलरों से जवाब-तलब हुआ, लेकिन जिम्मेदार अफसरों पर बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जाहिर है कि जो हो रहा है, वह अफसरों, व्यापारियों की मिली भगत का नतीजा है। वैसे भी सड़ा गेहूं शराब लॉबी बेहद सस्ते में खरीद लेती है, क्योंकि शराब बनाने के लिए अनाज को सड़ाना ही पड़ता है। सरकारी गोदाम यह काम लगभग मुफ्त में कर देते हैं। लेकिन अनाज सड़ने के पीछे पैसा तो जनता का ही बर्बाद हुआ है। इतने बड़े पैमाने अनाज खराब होने के लिए शीर्ष स्तर पर भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हानि है।

नजरिया

कुमार कृष्णन

लेखक स्तंभकार हैं।

नादानी के बांध, बैराज और तटबंध

सन् 1975 में बनकर तैयार हुए फरक्का-बैराज का मकसद था कि इसके जरिए 40 हजार क्यूसेक पानी का रुख बदला जाये, ताकि कोलकाता बंदरगाह बाढ़ से बच सके, लेकिन ये मंसूबे बांधते समय नदी में आने वाली तलछट का अनुमान नहीं लगाया गया। परिणामस्वरूप, जरूरत के मुताबिक पानी का रुख नहीं बदला जा सका। आज बैराज का जलाशय तलछट से ऊपर तक भरा है। पीछे से आने वाली विशाल जलराशि पलटकर साल में कई-कई बार विनाश लाती है। ऊंची भूमि भी डूब का शिकार होने को विवश है। हजारों वर्ग किलोमीटर की फसलें इससे नष्ट हो जाती हैं। फरक्का-बैराज बनने के बाद धारा के विपरीत ऊपर की ओर आने वाली ढाई हजार रुपये प्रति किलो मूल्य वाली कीमती 'हिल्सा मछली' की बड़ी मात्रा हम हर साल खो रहे हैं।

गंगा मुक्ति आंदोलन' के प्रमुख अनिल प्रकाश ने बिहार की नदियों पर बैराजों के निर्माण पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि – 'बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नदियों पर बैराज बनाने की हड़बडी से पहले गंगा पर बने फरक्का-बैराज से उपजी विनाशकारी बाढ़, कटाव, जल-जमाव, भूमि के ऊसर होने, मछलियों के अकाल आदि भीषण स्थितियों का वैज्ञानिक आकलन अवश्य करा लेना चाहिए।' बैराज एक प्रकार का लो-हैड, डायवर्सन बांध है जिसमें कई बड़े गेट होते हैं जिन्हें पानी की मात्रा और दिशा को नियंत्रित करने के लिए खोला या बंद किया जा सकता है।

सन् 1975 में बनकर तैयार हुए फरक्का-बैराज का मकसद था कि इसके जरिए 40 हजार क्यूसेक पानी का रुख बदला जाये, ताकि कोलकोता बंदरगाह बाढ़ से बच सके, लेकिन ये मंसूबे बांधते समय नदी में आने वाली तलछट का अनुमान नहीं लगाया गया। परिणामस्वरूप, जरूरत के मुताबिक पानी का रुख नहीं बदला जा सका। आज बैराज का जलाशय तलछट से ऊपर तक भरा है। पीछे से आने वाली विशाल जलराशि पलटकर साल में कई-कई बार विनाश लाती है। ऊंची भूमि भी डूब का शिकार होने को विवश है। हजारों वर्ग किलोमीटर की फसलें इससे नष्ट हो जाती हैं। फरक्का-बैराज बनने के बाद धारा के विपरीत ऊपर की ओर आने वाली ढाई हजार रुपये प्रति किलो मूल्य वाली कीमती 'हिल्सा मछली' की बडी मात्रा हम हर साल खो रहे हैं।

ऐसे में बिहार को बैराज की क्या जरूरत है? बिहार के 'जल संसाधन विभाग' के मंत्री विजय चौधरी के अनुसार नेपाल में बांध बनाने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन फिलहाल इसकी उम्मीद नहीं दिख रही। नतीजे में बिहार सरकार को नेपाल से आने वाली चार नदियों पर चार बैराज बनाने का फैसला लेना पडा। ये बैराज कोसी नदी पर डगमारा में, गंडक नदी पर अरेराज में, महानंदा नदी पर मसान में और बागमती नदी पर डिंग में बनाए जाएंगे। इनकी 'डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट' (डीपीआर) तैयार की जा रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में, प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ से संबंधित आपदाओं से निपटने के लिए बिहार को 11,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी है। इस राशि से नेपाल से आने वाली बाढ़ के नुकसान को रोकने के लिए बैराज बनाए जाएंगे। इसके लिए विश्वबैंक से 4400 करोड़ रुपये की सहायता भी ली जा रही है।

दूसरी तरफ, बैराज बनाने के बिहार सरकार के इस फैसले के खिलाफ व्यापक आंदोलन की तैयारी आरंभ हो गयी है। आंदोलन के प्रथम चरण में बिहार, बंगाल और उत्तरप्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके उपरांत साथी संगठनों की बैठक कर आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी। इसके पहले नेपाल सरकार से भारत सरकार की ऊंचा बांध

बनाने को लेकर बातचीत हुई थी। वर्ष 2004 में विराटनगर में संयुक्त कार्यालय भी खोले गए थे, लेकिन जहां भी सर्वे करने जाते, लोग बांध के विरोध में हंगामा करने लगते। यही कारण है कि नेपाल में बांध बनाना मुश्किल हो गया।

जानकार मानते हैं कि बिहार में बाढ़ को नियंत्रित करने वाली तटबंध आधारित नीति ने बाढ़ के संकट को बढ़ाने का काम किया है। उत्तर बिहार की नदियों के जानकार दिनेश कुमार मिश्र के अनुसार आजादी के वक्त जब राज्य में तटबंधों की कुल लंबाई 160 किलोमीटर थी तब राज्य का सिर्फ 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ पीड़ित था। अब, जब तटबंधों की लंबाई 3760 किलोमीटर हो गयी है तो राज्य की लगभग तीन चौथाई जमीन, यानी 72.95 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ प्रभावित है। यानी जैसे-जैसे तटबंध बढ़े बिहार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रफल भी बढ़ता चला गया।

सरकार का भी रवैया विचित्र है। एक ओर तो बिहार की बाढ़ के लिए फरक्का-बैराज को जिम्मेदार ठहराते हैं, तो दूसरी तरफ नए की वकालत भी करते हैं। अनिल प्रकाश के अनुसार फरक्का-बैराज के अनुभवों से ही समझ लेना चाहिए था कि नदियों को रोककर बाढ़ का मुकाबला नहीं किया जा सकता। 'वैसे तो नदियों पर बांध मुख्यतः बिजली बनाने के लिए बनाये जाते हैं, बाढ़ रोकने के लिए नहीं। इसके बावजूद बांध बनाना एक पुराना तरीका साबित हो रहा है। आजकल कई वजहों से दुनिया भर में बांधों को तोड़ा जा रहा है। अमेरिका की मिसिसिपी नदी पर बने बांधों को वहां की सरकार ही तोड़ रही है। चीन में ह्वांगहो नदी पर बने तटबंध को बम से उड़ा दिया गया।'

वर्ष 1870-75 से पहले बिहार में बाढ़ का जिक्र नहीं मिलता। जबसे यहां रेलवे की शुरुआत हुई और नदियों के स्वतंत्र बहाव में बाधा उत्पन्न होने लगी, बाढ़ की समस्या सामने आने लगी। इसके बावजूद उत्तर बिहार में नदियों का अपना बेहतरीन तंत्र विकसित था। बड़ी नदियां, छोटी नदियों और 'चौरों' से जुड़ी थीं और पूरे इलाके में 'पोखरों' का जाल बिछा था। बारिश के दिनों में बड़ी नदियों में जब अधिक पानी होता था तो वे अपना अतिरिक्त पानी छोटी नदियों, 'चौरों' और तालाबों में बांट देती थीं। इससे बाढ़ की समस्या नहीं होती थी। फिर जब गर्मियों में बड़ी नदियों में पानी घटने लगता, तो छोटी नदियां और 'चौरे' इन्हें अपना पानी वापस कर देतीं। इससे ये नदियां सदानीरा बनी रहती थीं।

बिहार की 76 प्रतिशत आबादी और राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 73 प्रतिशत हिस्सा बाढ़ से प्रभावित है। वहीं आंकड़े यह भी बताते हैं कि देश के कुल बाढ़ पीड़ित क्षेत्र का 16.5 प्रतिशत बिहार में पड़ता है और कुल बाढ़ पीड़ित आबादी का 22.1 प्रतिशत इसी राज्य के लोग हैं। 'एएन सिन्हा इंस्टीच्यूट' के विशेषज्ञ डॉ. विद्यार्थी का कहना है कि बिहार में तटबंधों का निर्माण पिछले 50 सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है और बाढ़ का इलाका भी उसी तरह से बढ़ता जा रहा है। पहले 25 लाख हेक्टेयर बाढ़ प्रभावित इलाका था, लेकिन आज 70 लाख हेक्टेयर से अधिक इलाका बाढ़ प्रभावित है।

साठ और 70 के दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बांधों का निर्माण हुआ, लेकिन हाल के वर्षों में बांधों के निर्माण की वैश्विक स्तर पर आलोचना हो रही है। बांधों से होने वाले फायदों के लिए भारी पर्यावरणीय कीमत चुकानी पड़ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार यूरोप में नदियों की अविरल धारा के लिए मुहीम चल रही है। साल 2016 से ही बांध तोड़े जा रहे हैं। अकेले 2022 में यूरोपीय नदियों पर बने 325 बांध तोड़ दिए गए, जो 2021 से 36 प्रतिशत ज्यादा थे। खास बात यह है कि जिन नदियों पर बांध तोड़े गए वहां का जलीय जीवन बदलने लगा। मछलियों का लौटना इस बात की निशानी है कि नदी का इकोसिस्टम खुद को ठीक कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, भारत में बड़े बांधों, बैराजों द्वारा उपजाऊ धरती, जंगल सहित जैव-विविधता से भरी प्रकृति और नदी से जुड़ी संस्कृति स्वाहा कर विकास का यज्ञ चलाया जा रहा है। (सप्रेस)

पर्यावरण

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ई-कचरा प्रबंधन : राष्ट्रीय हरित अधिकरण का पहरा

भारत में ई-कचरा प्रबंधन की तेजी से बढ़ती चुनौती से जुड़े पर्यावरणीय कानूनों को मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण प्रतिबद्ध है। हाल ही में पिछले दिनों अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में हरित अधिकरण ने ई-कचरा प्रबंधन रिपोर्टिंग की वर्तमान स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। हरित अधिकरण ने अपने पूर्व आदेशों का पालन न करने का दावा करने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उत्पादन और निस्तारण पर एक नई रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिये हैं। वहीं ई-कचरा (प्रबंधन) नियमों का पालन न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई का भी उल्लेख करने को कहा है। यह पहल ई-कचरे से निपटने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दा है।

देश में ई-कचरा प्रबंधन से जुड़े विनियमों को लागू कराने में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की अहम भूमिका है। सीपीसीबी न केवल ई-कचरा (प्रबंधन) नियमों के पालन की निगरानी के साथ-साथ ई-कचरा प्रबंधन और निपटारा संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों हेतु भी सक्रिय पहल करने की जिम्मेदारी है। एनजीटी ने सीपीसीबी को यह नई रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए 12 दिसंबर तक का वक्त दिया है, जिसमें प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ई-कचरे के उत्पादन, उपचार सुविधाओं और मौजूदा अंतराल पर विस्तृत डेटा शामिल होना चाहिए।

देश में बढ़ते ई कचरे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने सात नवंबर, 2022 को निर्देश दिये थे कि ई-कचरे के मामले में सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदूषण नियंत्रण समितियां, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी रिपोर्ट का पालन करें। लेकिन तमाम जिम्मेदार संस्थाओं द्वारा इन निर्देशों का अनुपालन ठीक तरीके से न करने पर एनजीटी ने असंतोष व्यक्त किया है।

ई-कचरा, वैसे तो पर्यावरण के लिए खतरनाक होते हैं वरन मानव स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता हैं। ई-कचरे के निपटान और तोड़फोड़ से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इनसे निकलने वाले द्रव और रसायन पानी, जमीन के अंदर के पानी, मिट्टी और हवा में मिल सकते हैं। इनके जरिये ये जानवरों और फसलों में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसी फसलों के इस्तेमाल से मानव शरीर में घातक रसायन पहुंचने का खतरा होता है। इलेक्ट्रॉनिक सामान में लेड, कैडियम, बेरियम, भारी धातु जैसे घातक रसायन होते हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा दिसंबर, 2020 में जारी एक रिपोर्ट बताती है कि 2019-20 में भारत में करीब 10.1 लाख टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा पैदा हुआ था। वहीं 2017-18 में यह 25,325 टन और 2018-19 में 78,281 टन था। वहीं 2018 में केवल 3 फीसदी ई-कचरा एकत्र किया था, जबकि 2019 में यह आंकड़ा केवल 10 फीसदी था। मतलब साफ है कि देश में ई कचरे को रि-सायकल करना तो दूर की बात है, इस कचरे की एक बड़ी मात्रा एकत्र ही नहीं किया जा पा रहा है। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे दर्शाते है कि देश में 2022 के दौरान 413.7 करोड़ किलोग्राम इलेक्ट्रॉनिक कचरा पैदा हुआ था।

भारत में अभी तक 178 पंजीकृत ई-वेस्ट पुनर्चक्रणकर्ता (रि-साइक्लर) ही हैं, जिन्हें ई-वेस्ट को संसाधित करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा मान्यता दी गई है, लेकिन भारत के ज्यादातर ई-कचरा पुनर्चक्रणकर्ता ई-वेस्ट को पुनर्चक्रण ही नहीं कर पा रहे हैं और कुछ इसे खतरनाक तरीके से संग्रहित कर रहे हैं। इनमें से कई पुनर्चक्रणकर्ताओं के पास ई-कचरा प्रबंधन की क्षमता भी नहीं है।

आंकडे बताते है कि खतरनाक ई-कचरे को सुरक्षित रूप से संसाधित करने के लिए नए नियम आने के बावजूद भी लगभग 80 प्रतिशत ई-कचरा (पुराने लैपटॉप और सेल फोन, कैमरा और एयर कंडीशनर, टीवी और एलईडी लैंप) अनौपचारिक सेक्टर द्वारा गलत तरीके से निपटान किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी खतरा कई गुना बढ़ने की संभावना है। इतना ही नहीं इससे भूजल और मिट्टी भी प्रदूषित हो रही है।

गौरतलब है कि दुनिया भर में प्रतिवर्ष 2 से 5 करोड़ टन ई-कचरा पैदा होता है। जबकि वर्तमान में सिर्फ 12.5 फीसद ई-कचरे का पुनर्चक्रण किया जाता है। मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान में बड़ी मात्रा में सोना या चांदी जैसी कीमती धातुएं होती हैं। अमेरिका में प्रतिवर्ष डंप किए गए मोबाइल फोन में 3.82 अरब रुपये के सोना या चांदी होते हैं। ई-कचरे के पुनर्चक्रण से धातु पाए जा सकते हैं। 10 लाख लैपटॉप के पुनर्चक्रण से अमेरिका के 3657 घरों में प्रयोग होने वाली बिजली जितनी ऊर्जा मिलती है।

विश्व भर में ई-कचरे का वार्षिक उत्पादन 2.6 करोड़ टन की दर से बढ़ रहा है, जो 2030 तक 8.2 करोड़ टन तक पहुंच जाएगा। अगले 30 वर्षों में इस बढ़ते वैश्विक ई-कचरे की मात्रा दोगुना बढ़कर 10 करोड़ टन पर पहुंच जाएगी। कई देशों में इलेक्ट्रॉनिक्स की खपत तेजी से बढ़ रही है। यह ज्यादा से ज्यादा गैजेट्स और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, बढ़ते ई कचरे में भी इजाफा कर रहे हैं। पुनर्चक्रण की कमी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक उद्योग पर भारी पड़ती है और जैसे-जैसे उपकरण अधिक संख्या में, छोटे और अधिक जटिल होते जाते हैं, समस्या बढ़ती जाती है। वर्तमान में, कुछ प्रकार के ई-कचरे का पुनर्चक्रण और सामग्री और धातुओं को पुनर्प्राप्त करना एक महंगी प्रक्रिया है।

हमें इस बढ़ती समस्या के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। इससे निपटने के लिए सबसे साथ की आवश्यकता है। राष्ट्रीय प्राधिकरणों, प्रवर्तन एजेंसियां, उपकरण निर्माताओं, इनको पुनर्चक्रण करने में लगे लोगों, शोधकर्ताओं के साथ उपभोक्ताओं को भी इनके प्रबंधन और पुनर्चक्रण में अपना योगदान देने की जरूरत है।

महान वास्तुकार थे भगवान विश्वकर्मा

जयंती पर विशेष

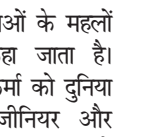

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

हर वर्ष 17 सितम्बर को विश्वकर्मा जयंती मनायी जाती है। यह कन्या संक्रांति पर पड़ता है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। हर साल 17 सितंबर को यह पूजा की जाती है। लेकिन इस बार लोगों के मन में 16 सितंबर को लेकर संशय बना हुआ है। इस बार सूर्य 16 सितंबर की शाम को 7 बजकर 29 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए विश्वकर्मा जयंती अगले दिन यानी कि 17 सितंबर को मनाई जाएगी। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था।

विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावैतनिक अवकाश प्रदान करती है। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड (पृथ्वी और स्वर्ग) के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव लिंगम की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्गलोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुरराज रावण की स्वर्ण नगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्वकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेता युग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कामगारों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती पर देश में एक नई योजना 'विश्वकर्मा योजना' को लॉन्च किया जाएगा। इस योजना के तहत देश में फर्नीचर या लकड़ी का काम करने वाले, सैलून चलाने वाले, जूते बनाने वाले और मकान बनाने वाले कामगारों को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी।

उन्होंने कहा विश्वकर्मा जयंती पर सरकार 13 से 15 हजार करोड़ रुपये की एक योजना को लॉन्च करेंगी। इस तरह उन लोगों की सहायता हो सकेगी जो परांपरिक तरीके के कौशल से अपनी जीवका चलाते है। ये अपना भरणपोषण औजारों और हाथ से काम करके करते है। उन्होंने कहा कि इनमें सुनार हों, राजमिस्त्री हों, कपड़े धोने वाले हों या बाल काटने वाले के परिवार हों। ऐसे लोगों को इस योजना से आर्थिक ताकत प्रदान की जा सकेगी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

...भरोसे की भैंस का रेस्क्यू

भारतीय संस्कृति में जीवों के प्रति दया भाव रखने की सीख बचपन से मिलती थी। समय का फेर हुआ और अब बच्चे मोबाइल से अपने हिस्से की जानकारी जुटा लेते हैं। या यूं कहें कि उन पर जानकारी थोप दी जाती है। अब जीव दया के बारे में उन्हें बताओ तो वो हमें ही खंडहर की तरह नकार देते हैं। जीव दया से याद आया कि जब हमारी नानी-दादी ये कहते सुनी जाती थी कि 'भरोसे की भैंस न पाड़ा देती है न पाड़ी' तो उसका शाब्दिक अर्थ समझ में नहीं आता था। उनका यह कहना शायद 'भरोसा टूटने' जैसा कोई घटनाक्रम रहा होगा। आज के संदर्भ में कहें तो भरोसे की भैंस को लेकर जितने किस्से हैं उतने तो पहले कभी हुए ही नहीं, क्योंकि ये भरोसे की भैंस कभी भी कहीं गहरे पानी में चली जाती है। वैसे 'गई भैंस पानी में' कहावत भी शायद भैंस के नेचर को अधिक पारदर्शिता से उल्लेखित करने के लिए ही बनी है। उसके इस नेचर से ज्यादा उस भरोसे की चर्चा ज्यादा महत्व की हो जाती है और लोग उसके पानी से निकलने का इंतजार करते रहते हैं। यह भी एक तरह का भरोसा ही है। आखिर वह भैंस ही तो है, जो गई अपनी मर्जी से तो निकलेगी भी उसकी मर्जी से। वैसे हमारे देश में भैंस को लेकर खूब राजनीति होने लगी है और उस राजनैतिक रसूख की 'भैंस' को लेकर सरकार द्वारा बनाया गया सिस्टम महीनों तक खाक भी छानता रहता है, लेकिन मजाल है कि 'भैंस' कहीं मिल जाए। उधर, मंत्री की भैंस गायब हुई थी और इधर, अब जनता की भरोसे की भैंस भी कहीं नजर नहीं आ रही है। जनता को सरकार पर इतना भरोसा है कि वो तख्त पर बैठते ही सारे कष्ट, दुःख, तकलीफ हर लेगी। रोजगार के भरोसे बैठे युवा भी सरकार की तरफ इस भरोसे से टकटकी लगाए बैठे रहते हैं कि वह नौकरियों की बरसात कर देगी।

अभी एकाध महीने पहले की घटना है। देश के एक संपन्न राज्य में पुलिस भर्ती निकली। 48 लाख युवा इस भरोसे की भैंस पर सवार होकर परीक्षा देने पहुंचे कि वो 'पुलिस' बनकर अपना जीवन यापन कर लेंगे। 'देश भक्ति जन सेवा' बाद में देखेंगे। आश्चर्य की बात इसमें यह रही कि एक बड़े राज्य जिसे पूर्व का विपक्ष बीमारू बताया करता था, वहां से ही एक लाख युवा इस भरोसे की भैंस पर सवार थे। लाखों की भीड़ में पुलिस बनने के चांस केवल 68 हजार युवाओं के हाथ में बताए गए। यह एक छोटी सी तस्वीर है उस भरोसे की भैंस की, जो हम सब ने पाल रखी है। वैसे भी हम हिंदुस्तानी हमेशा सकारात्मक अधिक सोचते हैं। मंत्री की भैंस कैसे भी कहीं भी जाए, लेकिन हमारा विश्वास है कि सरकार हमारा कल्याण जरूर करेगी। चुनाव आते ही वादों के रथ पर सवार होकर उम्मीद की किरण दिखती है और फिर से भरोसे की भैंस पानी में उतर जाती है। जनता का यह है कि वह महंगाई, बुनियादी शिक्षा, सड़क, पानी, उतरते-चढ़ते बाजार और दरकते-ढहते पुलों और बाढ़ और गिरती ऊंची प्रतिमा से भी विचलित नहीं होती और उसका भरोसा टूटता नहीं है। इधर, सरकार ने निर्णय लिया कि जनता की 'भरोसे की भैंस' का रेस्क्यू करवाया जाए। सदन में ताबड़तोड़ निर्णय पारित हो गया। तुरत-फुरत पुलिस, होमगार्ड, एनडीआरफ, एसडीआरएफ जैसे बचाव दलों को जिम्मेदारी सौंपी गई कि वह 'गई भैंस पानी में' की पूरी हिकमत अमली से जांच करे और उस भरोसे की भैंस को बाहर निकाले जो जनता के लिए पाड़ा या पाड़ी भले ही न जने, लेकिन उम्मीद का दूध और मक्खन जरूर दे। ज्यादा पुरानी घटना नहीं है। एक चुनाव तो इस भरोसे की भैंस के नाम पर ही लड़ लिया गया। हमारा पड़ोसी देश हाथ मलता रह गया। उसके नाम का इस्तेमाल तक नहीं हुआ। ब्रेकिंग न्यूज़ यह भी आई कि मंत्री जी की भैंस को ढूंढकर लाने वाले होनहार पुलिस जवानों को भी भरोसे की भैंस के रेस्क्यू में झोंक दिया गया। सरकार बहादुर हर बार चुनावों के दौरान इतने सारे भरोसे के बछड़े (पाड़े) छोड़ देते हैं कि उनके बड़े होने तक दूसरा चुनाव आ जाता है और 'भरोसे की भैंस' फिर पानी में चली जाती है कभी-कभी तो वह कीचड़ में लौट लगाती है, ठीक जनता की तरह जो अंध विश्वास और जात-पात के कीचड़ को लपेटे फिरती रहती है। भरोसे की भैंस आज उस गाय से अधिक प्रिय और चहेती है, जिसका गोबर और मूत्र पवित्रता के लिए स्थान पाता है। चुनाव पर चुनाव निकले जा रहे हैं और भरोसे की भैंस का रेस्क्यू शायद अगले चुनाव तक जारी है।

जन्म दिवस पर विशेष

डॉ. मोहन यादव

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री है।)

श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में विशाल भारत को मिला विश्वदृष्टि-सम्पन्न नेतृत्व

मध्यप्रदेश से श्री मोदीजी का विशेष अनुराग है। उन्होंने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रदेश में हुए कई नवाचारों का उल्लेख कर मध्यप्रदेश का पूरे देश में सम्मान बढ़ाया है। यह हमारे समय का सत्य है कि हम भारत के नवनिर्माण को अपने सामने होता देख रहे हैं। भारत के नागरिक के रूप में हम नई वैश्विक पहचान के साथ दुनिया के सामने शान से खड़े हैं और गौरवशाली क्षणों को जी रहे हैं। इन मूल्यवान और ऐतिहासिक क्षणों का उपहार देने के लिए हम अपने राष्ट्र नायक श्री नरेंद्र मोदी जी को कोटिश: नमन करते हैं। पूरा देश आज उनका जन्मदिन मना रहा है। वे ऐसे तपस्वी पथ प्रदर्शक हैं, जिनके नेतृत्व में भारत उजाले की ओर बढ़ रहा है।

भारत जैसे विशाल देश को विकास के वैश्विक दृष्टि सम्पन्न नेतृत्व की अपेक्षा थी वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में पूरी हो गई है। भारत के हर नागरिक की यही भावना है। इसलिए वे उन्हें मन से चाहते हैं। मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से हमारे लाड़ले प्रधानमंत्री जी को जन्म दिन की अशेष शुभकामनाएं।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री जी की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है।

मध्यप्रदेश से श्री मोदीजी का विशेष अनुराग है। उन्होंने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रदेश में हुए कई नवाचारों का उल्लेख कर मध्यप्रदेश का पूरे देश में सम्मान बढ़ाया है। यह हमारे समय का सत्य है कि हम भारत के नवनिर्माण को अपने सामने होता देख रहे है। भारत के नागरिक के रूप में हम नई वैश्विक पहचान के साथ दुनिया के सामने शान से खड़े हैं और गौरवशाली क्षणों को जी रहे हैं। इन मूल्यवान और ऐतिहासिक क्षणों का उपहार देने के लिए हम अपने राष्ट्र नायक श्री नरेंद्र मोदी जी को कोटिश: नमन करते हैं। पूरा देश आज उनका जन्मदिन मना रहा है। वे ऐसे तपस्वी पथ प्रदर्शक हैं, जिनके नेतृत्व में भारत उजाले की ओर बढ़ रहा है। उदासी और अंधेरे को हम पीछे छोड़ आए हैं। भारत को अब ऐसे प्रतिबद्ध जन सेवक का साथ मिला है, जिसके लिए राष्ट्र सर्वोपरि और नागरिक अमूल्य पूंजी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दीक्षा और भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों में रचे-बसे श्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इतना विशाल हो गया है कि उसे शब्दों में बांधना एक चुनौतीपूर्ण काम है। उनके व्यक्तित्व की ऐसी कई विशेषताएं हैं जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं चाहे वे किसी भी क्षेत्र में काम करते हों। हम सब उनसे लगातार सीखते रहते हैं। भारत को श्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व ऐसे समय मिला जब भारत अवसाद में डूबा हुआ अंधेरे की तरफ चल पड़ा था। वैश्विक परिदृश्य में एक कोने में खड़ा दिखाई देता था और इसे एक स्फूर्तिदायक, नई दृष्टि और नई ऊर्जा से भरे नेतृत्व की आवश्यकता थी।

राष्ट्रवादी प्रधान नायक- राष्ट्रवादी प्रधान नायक रुप में श्री नरेंद मोदी ने देश में जिस प्रकार राष्ट्रवादी मूल्यों का संचार किया है वह अद्भुत है। इसकी अनुभूति प्रत्येक नागरिक को हो रही है। वर्तमान और भविष्य की एक साथ चिंता उनकी दृष्टि में परिलक्षित होती है। वर्तमान को मजबूत बनाकर भविष्य को सुरक्षित करने का उनका दृष्टिकोण उनकी हर योजना में स्पष्ट रेखांकित होता है। हम कह सकते हैं कि नये भारत के वास्तुकार के रूप में मोदी जी ने न सिर्फ राजनीतिक बल्कि सामाजिक बुनावट और सोच को भी नये आयामों से देखने का अवसर दिया है। भारत को एक सुगठित राष्ट्र बनाने में उन्होंने जो कला-कौशल दिखाया है वह भारत के इतिहास में प्रमुखता के साथ दर्ज होगा।

गुणों की खान- श्री नरेन्द्र मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह आश्चर्यजनक है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है।

अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने सभी भारतीयों को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। मोदी जी स्वयं टैकसेवी है और वे खुद को तकनीक के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों से अपडेट रखते हैं। उनका तकनीकी के प्रति रुझान हमें प्रेरणा देता है कि तकनीकी के साथ बने रहना न सिर्फ स्वयं बल्कि समाज के लिये भी जरूरी है।

इतिहास बदलने वाले कदम- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करने में हम रात-दिन मेहनत करेंगे।

योजनाओं को डिजाइन करते हुए श्री मोदी ने इस बात का भी पूरी तरह ध्यान रखा कि केंद्र और राज्य की भूमिका स्पष्ट हो। उनकी परस्पर जिम्मेदारियां स्पष्ट हों ताकि संघीय ढांचे की गरिमा को पर कोई आंच नहीं आने पाए। सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं आत्मनिर्भर जीवन यापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्यमान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं।

राष्ट्र नायक श्री मोदी के नेतृत्व में हम सब आशा भरे और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला ऐसा समय देख रहे हैं, जो हमारा सपना था। भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का हमारा सपना जल्दी ही पूरा होगा। आज हम भारतीय इस विकास की गाथा में खुद को भागीदार मानते हैं। 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। हम श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करने के साथ यह भी प्रार्थना करते हैं कि उनके नेतृत्व में भारत एक समृद्ध राष्ट्र बने और हर नागरिक समृद्धशाली हो।

जन्मदिन विशेष

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

सार्वभौमिक सोच के व्यक्तित्व नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज जन्मदिन है और उनके यशश्वी जीवन के लिए पूरे देश से लोग आज शुभकामनाएं प्रदान कर रहे हैं। एक सुमधुर अभिव्यक्ति में नरेंद्र मोदी का जन्मदिन इसलिए लोग सेलीब्रेट कर रहे हैं क्योंकि अपने 10 वर्ष के प्रधानमंत्री कार्यकाल में उन्होंने भारत का मस्तक ऊंचा किया है। सम्पूर्ण विश्व में भारत की जय-जय हो रही है और भारत को पूरी दुनिया गंभीरता से ले रही है।

सन् 2014 में जब वह प्रधानमंत्री बने थे तो वह एक चुनौतीपूर्ण समय उनके लिए भी रहा होगा लेकिन यश, वैभव और प्रतिष्ठापूर्ण जीवन-सिद्धि व्यक्ति के ही हाथ में है, यह नरेंद्र मोदी से अच्छा उदहारण कोई और आज नहीं हो सकता। अपने 10 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने विजन 2047 का जो अब लक्ष्य रखा है, वह उनके स्वप्निल व्यक्तित्व की पहचान है और सनातन से जो प्रदीप्ति लेकर वह आगे बढ़े हैं, वह उनकी अपनी थाती को सहजने का ढंग है। सहज सत्य के गौरवशाली हस्ताक्षर नरेंद्र मोदी ने देश में कला-संगीत-साहित्य से जुड़े लोग हों, किसान, गरीब या वंचित वर्ग के लोग हो, सबका ख्याल रखा है। वह ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, पुरातात्विक वैचारिकी, भारतीय वैविध्य की गहन समझ के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को पिछले 10 वर्षों में अभूतपूर्व दिशा प्रदान करते हुए आगे बढ़े, यह उनके श्रेष्ठ नेतृत्व का प्रतिबिम्ब है।

सार्वजानिक जीवन में नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्य मंत्री से प्रधानमंत्री पद पर भले ही सुशोभित हुए हों लेकिन उनके भीतर का छात्र, उनके भीतर की उत्सुकता, उनके भीतर की खोज, उनके जीवन में आध्यात्मिक दृष्टि, माँ के प्रति अनन्य स्नेह और पशु-पक्षियों व प्रकृति से अनन्यता लोक से जुड़ाव व सभ्यता से आत्मीय लगाव उन्हें विशिष्ट बनाती है। कदाचित सामान्य जीवन में एक व्यक्ति के भीतर यह सब विद्यमान होता नहीं है इसीलिए उन्हें संतजन अलौकिक महापुरुष की संज्ञा दे रहे हैं, यह अतिश्योक्तिपूर्ण बात नहीं लगती। जीव जब जीवन से ज्यादा कर्म एक ही जीवन में कर लेता है तो वह अपना वैशिष्ट्य स्वयं ग्रहण कर लेता है। उनके जीवन की यह एक सार्वभौमिक यात्रा अब लगती है और वह सहज सत्य के एक पथिक जिसमें पर दुःख की चिंता ज्यादा है अपनी नगण्य। जिसमें पर सुख कि चिंता ज्यादा है अपने भूमि पर विश्राम ही बहुत लगता है। नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में भूमि विश्राम भले ही बचपन में किया हो लेकिन जब वह प्रधानमंत्री रहते हुए श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के समय व्रत अनुष्ठान किये और उन्होंने भूमि सयन किया तो यह किसी प्रधान मंत्री का पद पर रहते

हुए त्याग था। यह साधारण बात नहीं है। यह त्याग उनके सर्वजनहिताय और सर्वजनसुखाय था। यह प्रभु श्रीराम के प्रति प्रेम और जीवन में त्याग की एक अद्भुत मिसाल है जो उन्होंने किया।

कठिन अनुष्ठान निःसंदेह उनकी अनुशासित जीवन शैली का परिणाम है और यह सार्वभौमिक हो जाने की एक अलौकिक साधना है। यह या तो हमारे देश में संत करते हैं या जीवन में रहते हुए जीवन से ऊपर उठकर जीने वाले करते हैं। यह एक त्याग है। त्याग ही तो असीम प्रेम है। नरेंद्र मोदी का यह प्रेम केवल अपने लिए नहीं उनके द्वारा उठाये गए हर इनिशिएटिव में नजर आता है और यह तो देश कि जनता के सुख की खोज है। यही सत्य की खोज है। हमारे देश में सत्य की खोज में रजा हरिश्चंद्र और नचिकेता जैसे महनीय व्यक्तित्व आदर के साथ स्मरण किये जाते हैं। जो जन के लिए त्याग करता है वह भी सत्य की खोज कर रहा होता है इसलिए नरेंद्र मोदी ने जो अपने जीवन की खोज की है वह यह दर्शाता है कि नरेंद्र मोदी वास्तव में सहज सत्य के गौरवशाली पथिक हैं और इस गौरवशाली यात्रा में सम्पूर्ण देश का हित समाहित है।

भारत के लिए प्रतिकूल अवस्था में अनुकूल सभ्यता के सर्जक नरेंद्र मोदी का जनपर्व इसीलिए सबके अंतःस्थल का विषय बन गया है। नरेंद्र मोदी की जय हो, जीवन अक्षय हो, ऐसी लोग कामना कर रहे हैं। देश में नरेंद्र मोदी होने का यथार्थबोध जब जनमानस में हुआ है तो लोग यह भी सोचने लगे हैं कि उनके नेतृत्व स्व भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँच जाएगा और जब देश अपने आज़ादी के शताब्दी वर्ष को मना रहा होगा तो उस समय नरेंद्र मोदी के आज के किये गए कार्य परोपकार के रूप में ही समझे जायेंगे। ऐतिहासिक दिवस होता है किसी भी ऐसे नेतृत्व का जन्मदिन लेकिन यह ऐतिहासिक दिन इसलिए होने जा रहा है क्योंकि देश के आत्मबल में अभिवृद्धि और जोश में समृद्धि का दिन है। आज देश के समक्ष बहुत सी चुनौतियां हो सकती हैं लेकिन जब नेतृत्व हमारे देश का शक्तिशाली दिख रहा है तो देश में एक विश्वास है कि हम इसी वेग से भी आगे बढ़ेंगे तो भी विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँच ही जाएंगे। हमारे देश का आत्मविश्वास, हमारे देश की आत्मशक्ति देश के प्रत्येक जन में आनी चाहिए। इसके लिए यह दिवस एक संकल्प का दिवस अब हो चुका है कि हमें विश्व की सर्वश्रेष्ठ सभ्यता बनकर रहेंगे और जिस योद्धा के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं उसको मजबूती प्रदान करेंगे।

हमारे देश के विकास में सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह सामूहिक भावना ही हमारे देश की हर सफलता की महत्वपूर्ण विजयगाथा बन जाएगी। आवश्यकता इस बात की है सब एकमेव होकर सोचें और अपने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी आत्मशक्ति में अभिवृद्धि कर उनके गौरवशाली यात्रा में अपना समर्पण प्रकट करें। त्याग यह भी है और त्याग किसी भी देश के लिए सफलता की प्रथम शर्त भी है।

'पेरियार और महिला समानता के वर्तमान विचार'

चित्रा माली

ई.वी.रामासामी 'पेरियार' के क्रांतिकारी विचारों और बौद्धिक योगदान से उत्तर भारत खासकर हिंदी भाषी क्षेत्र आज भी कुछ हद तक अपरिचित हैं। जबकि पेरियार ने खुद उत्तर भारत के चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु और ललई सिंह को अपनी किताब और लेखों के हिंदी में प्रकाशन की जिम्मेदारी भी सौंपी थी जो कि कामयाब न हो सकी। बहरहाल उत्तर भारत आज भी पेरियार के स्त्री-पुरुष समानता और महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विचारों से वाकिफ नहीं है। उत्तर भारत में आज भी पेरियार को नास्तिक और हिंदी भाषा के विरोधी के रूप में ही जाना जाता है। जो उनके जीवन और विचारों का एक अंश मात्र है। पेरियार के महिला अधिकार संबंधी विचार अत्यंत क्रांतिकारी थे जिनको वर्तमान संदर्भों में और दक्षिण कोरिया में चल रहे 'फोर बी' आंदोलन के परिपेक्ष्य में जानना भी आवश्यक है। रेडिकल नारीवाद महिलाओं के लिए जिन मुद्दों और उद्देश्यों को 1960 और 1970 के दशक में उठा रहा था उनका जिक्र पेरियार ने 1930-34 में ही कर दिया था और पितृसत्तात्मक व्यवस्था का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। रेडिकल नारीवाद का उद्देश्य लिंगों के बीच व्याप्त सभी विभेदों को प्रकाश में लाना था जो हमारे इतिहास से हमारी निजी जिंदगी,संस्कारों,परंपराओं, व्यक्तिगत संबंधों, मानसिकता एवं रोजगार के सार्वजनिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। यह नारीवाद पुरुषों द्वारा स्त्रियों पर प्रभुत्व का विरोध करता है तथा पुरुषवाद के अधीन सांस्कृतिक मूल्यों का विरोध करता है और उनको चुनौती देता है। यह नारीवाद परंपराओं के नए संस्कारों एवं मूल्यों का सृजन करना चाहता है। रेडिकल नारीवाद महिलाओं का अपने शरीर पर नियंत्रण और पुरुषों से स्वतंत्रता हासिल करना चाहता है। वे अपने घरेलू,निजी,व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक मामलों में पुरुषों से अलग स्वतंत्र अस्तित्व की मांग उठाती हैं, जिसमें वह यौनिकता,मातृत्व और यौन गुलामी से भी स्वतंत्रता हासिल करना चाहती है। रेडिकल नारीवाद ने हिंसा,गर्भ नियंत्रण और यौनिकता जैसे मुद्दों पर विचारोत्तेजक समीक्षाएं प्रस्तुत की। ये समीक्षाएं पेरियार के लेखों से उनके विचारों से मेल खाती हैं। वर्तमान समय में दक्षिण कोरिया में जारी 'फोर बी' आंदोलन जो पितृसत्ता और उसके द्वारा निर्धारित सौंदर्य मानकों के खिलाफ है, साथ ही यह महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव,हिंसा और अपराधों के भी विरुद्ध है। ऐसा माना जाता है कि इस आंदोलन के चलते समूचे विश्व की जनसंख्या वृद्धि में सबसे निचले पायदान पर दक्षिण कोरिया है।

दक्षिण कोरिया का 'फोर बी' या 'फोर नोस' एक नारीवादी आंदोलन है जिसकी शुरुआत 2019 में दक्षिण कोरिया में हुई थी। इसके पूर्व 2017-18 के मध्य ट्विटर पर 'फोर बी' शब्द कोरियाई नारीवादियों के हलकों से उभरा था। कोरियाई नारीवादियों ने नारीवादी विकी साइट 'फेमी विकी' पर अपने सिद्धांतों को स्पष्ट किया था। 'फोर बी' (4 बी) यानी बिहोन - विवाह न करना, बिचुलसन - बच्चे पैदा न करना, बियोनाई - बॉयफ्रेंड नहीं बनाना, बिसेकसु - यौन संबंध से इनकार करना। इस आंदोलन के समर्थक पुरुषों के साथ डेटिंग,शादी, पुरुषों के साथ सेक्स और बच्चे पैदा करने से इनकार करते हैं। कोरियाई डिजिटल नारीवादी आंदोलनों की तरह ही 'फोर बी' आंदोलन भी एक डिजिटल आंदोलन है। इसका एक उल्लेखनीय पहलू यह है कि इसके सदस्य खुद को 'गुमनाम महिला' के रूप में पेश करते हैं क्योंकि इसमें लोगों के लिए ऑनलाइन व्यक्तिगत जानकारी को प्रदर्शित न करना परंपरागत है। यह डिजिटल आंदोलन महिलाओं के लिए एक ऑनलाइन मंच या कहें स्पेस मुहैया करवाता है। जहां वे पुरुषों के बिना जीवन जीने और कल्पना करने के तरीकों पर खुलकर चर्चा कर सकती हैं। साथ ही यह महिलाओं के बीच एकजुटता की भावना पैदा करता है जहां वे पारंपरिक वातावरण में रहने की अपनी परेशानियों और चिंताओं को एक दूसरे के साथ साझा करती हैं। इसके अतिरिक्त यह मंच महिलाओं को शादी,सेक्स,डेटिंग और परिवार शुरू करने का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित करता है। 'फोर बी' (4 बी) आंदोलन का उद्देश्य महिलाओं में अपने अधिकारों व भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है और सोशल मीडिया पर सक्रिय और मजबूत उपस्थिति दर्ज कर अधिक से अधिक समर्थकों को जोड़ना है ताकि इसके प्रभाव को अधिकतम किया जा सके। 'फोर बी' (4 बी) आंदोलन दक्षिण कोरिया के पितृसत्तात्मक राज्य और उसकी प्रजनन-समर्थक नीतियों को सीधे चुनौती देता है,जो महिलाओं के शरीर और प्रजनन क्षमताओं को राज्य के भविष्य के लिए एक साधन के तौर पर देखता है। यह आंदोलन उन पारंपरिक तरीकों का विरोध करता है जिसमें रिश्तों,कार्य विभाजन (वर्क डिवीजन),बच्चों की परवरिश के संबंध में लिंग के आधार पर भेदभाव किया जाता है। दक्षिण कोरिया के पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे पिता का सम्मान करें और निर्धारित सौंदर्य मानकों का पालन करें। इस आंदोलन की समर्थक कई महिलाओं ने निर्धारित सौंदर्य मानकों के विरोध में अपने सिर मुड़वा लिए हैं और कुछ ने बालों को बिल्कुल छोटा करवा लिया, ब्रा पहनना बंद कर दिया और सौंदर्य उत्पादों को खरीदना कम कर दिया। वह भी उस देश में जो सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों और प्लास्टिक सर्जरी में अग्रणी है। इस आंदोलन पर और इससे जुड़ी कई महिलाओं पर लेख व स्टोरी भी प्रकाशित हुई है जिससे उनकी पृष्ठभूमि और विरोध के कारणों को समझा जा सकता है। दक्षिण कोरिया में महिलाओं की हत्या,बदला लेने के पोर्न और डेटिंग हिंसा के व्यापक मामले हैं,इसके अतिरिक्त खुफिया कैमरे से यौन अपराधों में वृद्धि हुई है जिसका संचालन मुख्य रूप से पुरुषों द्वारा किया जाता है। इसलिए इस आंदोलन की समर्थक महिलाएं अपने जीवन में शामिल सभी पुरुषों का बहिष्कार करती है और पुरुषों से दूरी बनाकर रखती है। इन महिलाओं का मानना है कि कोरियाई पुरुष सुधार से परे हैं और कोरियाई संस्कृति निराशाजनक रूप से पितृसत्तात्मक है जो पूरी तरह से स्त्री विरोधी है। इस आंदोलन की समर्थक महिलाओं का मानना है कि 'जब तक महिलाओं के पास वास्तविक आर्थिक शक्ति और प्रभाव नहीं होगा तब तक उनका उपयोग किया जाएगा और उनके शरीर का उपयोग सिर्फ प्रजनन के लिए किया जाएगा'। यह आंदोलन महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रबल समर्थक हैं और स्त्री - पुरुष की आय में गैर बराबरी का विरोध करता है। इनका मत है कि 'महिलाओं में शिक्षा का स्तर,वित्तीय स्वतंत्रता और एकजुटता की भावना लगातार बढ़ रही है जिससे वे ऐसे साथी के लिए केवल घरेलू भूमिका निभाने से संतुष्ट नहीं होंगी जो उनकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता है'। 'फोर बी' (4 बी) आंदोलन पुरुष विहीन एक दुनिया की कल्पना करता है। जिसमें महिलाओं से यौन सामाजिक,शारीरिक और मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न से खुद को मुक्त करने का आह्वान भी करता है। इस आंदोलन में महिलाएं पितृसत्ता से लड़ ही नहीं रही हैं बल्कि वे इसे पूरी तरह से पीछे भी छोड़ रही हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि 'फोर बी' आंदोलन कितना व्यापक और लोकप्रिय है। इस आंदोलन पर कई लेख लिखे गए हैं जिनमें से एक के मुताबिक इसके समर्थकों या कहें सदस्यों की संख्या 50,000 है और दूसरे लेख में इनकी संख्या 5000 से भी कम बताई गई है। पितृसत्ता के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन में महिलाओं की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण प्रतिरोध है फिर चाहे वह एक ही महिला का क्यों न हो। इस प्रतिरोध का अन्य देशों की महिलाओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वे भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था के खिलाफ एकजुटता प्रदर्शित करेंगी। भारत में इस आंदोलन के कई वर्ष पूर्व ही पेरियार ने स्त्री- पुरुष समानता और स्वतंत्रता के लिए 'कुदी अरासु' में एक लेख श्रृंखला चलायी थी जिसमें वे पितृसत्ता का विरोध करते हैं। पेरियार का मानना था कि स्त्रियों को गुलाम बनाया गया है, इसमें वे स्त्री पराधीनता के कारणों की भी पड़ताल करते हैं। पेरियार की तमिल भाषा में लिखी किताब 'पेंन यीन अदीमई आनल' जो 1934 में प्रकाशित हुई थी। जिसका हिंदी अनुवाद 'स्त्रियों को गुलाम क्यों बनाया गया' है। इसमें उन्होंने स्त्री-पराधीनता का मुख्य कारण और पहला कारण 'शुचिता' को बताया है। इसके पीछे यौनिक शुचिता (शुद्धता) और पवित्रता की अवधारणा काम करती है जिसे पुरुषवादी सत्ता स्त्रियों पर लादती आई है। पेरियार पितृसत्ता के सामने शुचिता पर कई प्रश्न उठाते हैं। पेरियार पूछते है कि शुचिता संबंधी नियम कायदे सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों लागू होते हैं पुरुषों पर क्यों नहीं? यदि स्त्री समाज की अनुमति और क्षेत्र से बाहर जाकर काम-संबंध स्थापित करती है तो उसे वेश्या कहा जाता है। जबकि पुरुषों का वेश्यालयों में जाना और रखैलों को रखना शान की बात समझा जाता है। स्त्री पराधीनता के दूसरे कारणों में पेरियार बाल विवाह,विधवाओं की दयनीय स्थिति, स्त्रियों को तलाक का अधिकार न होना,पैतृक संपत्ति में भी स्त्रियों को हिस्सेदारी का न होना शामिल करते हैं। इसके अतिरिक्त पुरुषत्व का बोध स्त्रीत्व के बोध को उत्पन्न करता है। पुरुषत्व का बोध शक्तिशाली और सर्वेसर्वा होने का बोध है। वहीं स्त्रीत्व को कोमल और संवेदनशीलता बताया गया है। स्त्रियों में धर्म,संस्कृति,परंपरा, परिवार और तरह तरह के रूपकों के माध्यम से स्त्रीत्व के बोध को स्त्रियों के अंदर बिठा दिया गया है। स्त्रीत्व को अपने में सहेजते हुए वह लगातार अपनी स्वतंत्रता को प्रेम, परिवार, समाज, संस्कृति,परंपरा,बच्चों के लालन पालन की जिम्मेदारी की भेंट चढ़ा देती हैं और समझौता कर लेती हैं,तो कहा जाता है कि वह पुरुष से कमतर है। पेरियार का कहना था कि 'स्त्रियों को वे सब अधिकार और अवसर प्राप्त होने चाहिए जो पुरुषों को प्राप्त हैं। पेरियार की किताब 'स्त्रियों को गुलाम क्यों बनाया गया' का नवां और दसवां अध्याय 'संतति-निरोध' और 'स्त्री-स्वाधीनता हेतु पुरुषत्व (पुरुष होने के अहंकार) को नष्ट कर देना चाहिए' शीर्षक से हैं। इस अध्याय में वे स्त्री-जीवन की उन कठिनाइयों को उजागर करते हैं जो उन्हें गर्भावस्था तथा बच्चों को जन्म देने के कारण उठानी पड़ती हैं। गर्भावस्था स्त्री की मुक्ति एवं उसकी आजादी की दुश्मन है। इसलिए स्त्रियों को अपनी मुक्ति,स्वतंत्रता, स्वाधीनता एवं आत्मनिर्भरता की खातिर बच्चों को जन्म देना बंद कर देना चाहिए। मातृत्व स्त्री का चयन होना चाहिए कर्तव्य नहीं। यदि कोई स्त्री संतान पैदा नहीं करना चाहती है तो उसे सन्तानोत्पत्ति के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। स्त्रियां बच्चों को जन्म देने की जिम्मेदारी के कारण दूसरों पर निर्भर होती हैं। इस कारण उन पर पुरुषों का अधिपत्य होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए स्त्री की वास्तविक आजादी के लिए बच्चों को जन्म देने की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर देना चाहिए। पेरियार का मानना था कि जिस समाज में स्त्री की हैसियत घर संभालने,बच्चे पैदा करने और वंश बढ़ाने से अधिक नहीं है,उस समाज में बच्चे न पैदा करना भी अपने आप में विरोध का एक कारगर तरीका साबित हो सकता है। 'फोर बी' (4 बी) आंदोलन में भी महिलाओं ने विवाह,पुरुष सहचर,सेक्स और बच्चे पैदा न करने का निर्णय लिया है जिससे कोरिया में जनसंख्या वृद्धि में भारी कमी आई है। यह आंदोलन हर उम्र की महिला के साथ होने वाले लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध है जो पूरे विश्व में व्याप्त है। यह एक छोटा सा प्रतिरोध समाज में व्याप्त गैर बराबरी के खिलाफ समानता के लिए और अपने स्त्री अस्तित्व को बचाए और बनाए रखने के लिए है जिसके गहन मायने हैं। इसी के साथ एक प्रश्न यह भी उत्पन्न होता है कि क्या भारत की महिलाएं समानता के लिए अपने अधिकारों के लिए कभी कोई प्रतिरोध करेंगी और पेरियार के स्त्री - पुरुष समानता के विचार को अपने जीवन में दृढ़ता से शामिल कर स्थापित समाज व्यवस्था को परिवर्तित कर नई समाज व्यवस्था को निर्मित कर पाएंगी ? जो पुरुष विहीन न होकर प्रेम से परस्पर सहयोग से संचालित होगी। इन प्रश्नों के साथ 'पेरियार' को उनके जन्मदिन पर सादर नमन।

प्रतिभाओं को आगे लाने में सभी की सहभागिता जरूरी : हेमंत खण्डेलवाल

पीएससी से जनपद सीईओ के पद पर चयनित प्रफुल्ल को किया सम्मानित

बैतूल। आठनेर विकासखण्ड के आदिवासी बाहुल्य ग्राम आष्टी में पले-बढ़े और विपरीत परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित प्रफुल्ल पिता जददू लव्हाये को सम्मानित करनें बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल सोमवार को आष्टी पहुंचें। बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें प्रफुल्ल का पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल से सम्मान कर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बैतूल विधायक नें कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत प्रतिभा की पहचान कर उचित प्लेटफॉर्म दिलवानें की है। उन्होनें कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर विकास के साथ ही प्रतिभाओं को आगे लानें में सभी की सहभागिता जरूरी है।

जनपद सीईओ के पद पर चयनित हुए प्रफुल्ल के जज्बे की सराहना करते हुए बैतूल विधायक नें कहा कि गरीब परिस्थिती के बावजूद प्रफुल्ल ने सफलता प्राप्त करनें के लिए संघर्ष जारी रखा। गॉव के स्कूल में मिडिल स्कूल तक शिक्षा प्राप्त करनें के बाद विदिशा में अपनी बहन के पास रहकर आगे की पढ़ाई की और कड़ी मेहनत कर बगैर कोचिंग के पीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रफुल्ल जनपद सीईओ के पद पर चयनित हुए। यह आष्टी,आठनेर ही नहीं बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होनें कहा कि प्रफुल्ल की सफलता से युवा पीढ़ी को सीख

लेना चाहिए।

बच्चों के सपनों को साकार करने में माता-पिता भी सहयोग करें- बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें कहा कि अक्सर यह देखनें में आ रहा है माता-पिता द्वारा अपने सपनें बच्चों पर थोपे जा रहे है। माता -पिता यह चिंता नहीं करते कि बच्चों में क्या प्रतिभा है? वे किस फील्ड में जाना चाहते है? उन्होनें कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए माता पिता सहित परिजनों के साथ उनका संवाद जरूरी है। जिससे बच्चे क्या सोचते है? क्या करना चाहते है? किस फील्ड में उनकी रूचि है ? इसकी जानकारी परिजनों को मिलेगी। उन्होनें कहा कि बच्चे बड़े सपनें देखे और सपनों को साकार करनें के लिए मेहनत करें। साथ ही बच्चों के सपनों को साकार करनें में माता-पिता भी सहयोग करे।

टेलेन्ट को सपोर्ट करे परिवार-समाज- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा से चयनित होकर पाढूर्णा जिले में जनपद पंचायत सौंसर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ प्रफुल्ल लव्हाये ने कहा कि बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा मेरे गॉव आकर मुझे सम्मानित करनें से पूरा गॉव अभीभूत है। बैतूल विधायक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री लव्हाये नें कहा कि जिस तरह श्री खण्डेलवाल जी द्वारा हर क्षेत्र के टेलेन्ट को सपोर्ट किया जाता है उसी तरह परिवार और समाज भी टेलेन्ट को सपोर्ट करे। जिससे प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होनें बताया कि सघंर्ष के दौर में पूरा परिवार हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा इसीलिए आज में इस मुकाम तक पहुचा हूँ।

कार्यक्रम में भाजपा जिला कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी,आठनेर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील मामाजी टेकपुरे, नगर मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने,जिला पंचायत सदस्य रामचरण इरपाचे,शिवदयाल आजाद, सूरज राठौर,मनोज जगताप,नप उपाध्यक्ष विनय जीतपुरे, कैलाश आजाद,हन्नू कनाठे,पार्षद अजय पोटफोडे, मुन्ना आवठे,माधव सातपुते,निखल सोनी, आशीष बर्डे,राजेश बसंतपुरे,दिलीप आजाद, रामकिशोर लहरपुरे,रोहित कुमरे,उमेश कुमरे,नागौराव दहीकर, शंकर जीतपुरे,चिराग दहीकर,लक्षमण लहरपुरे, कमलेश लव्हाये,नंदू तायवाडे,बसंत गायकवाड, केवल गवीकर,गोविंदराव गवीकर,अनिल लहरपुरे,अनूप उइके सहित पार्टी कार्यकर्ता,ग्रामीण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके ने पहावाड़ी में गणेश दर्शन कर मिश्रा परिवार से की आत्मीय भेंट

बैतूल / भौंरा। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके ने रविवार को भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश मिश्रा के निवास ग्राम पहावाड़ी (शाहपुर) का दौरा किया। उन्होंने वहां गणेश जी के दर्शन किए और मिश्रा परिवार से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मिश्रा परिवार के सदस्यों से आत्मीय भेंट कर उनके कुशलक्षेम की जानकारी ली।

इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने गणेशोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व समाज को जोड़ने और आपसी सौहार्द्र को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही उन्होंने मिश्रा परिवार सहित क्षेत्रवासियों को गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। स्थानीय लोगों ने भी सांसद से मुलाकात की और क्षेत्र से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की। सतीश मिश्रा ने सांसद उइके के आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए इसे पूरे ग्राम के लिए एक गौरव का पल बताया। इस दौरान गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने सांसद का सम्मान किया।

गणेशोत्सव में केंद्रीय मंत्री का मस्ती भरा अंदाज

कंधे पर गदा रखकर किया बजरंगबली के साथ डांस

बैतूल। कंधे पर गदा और जय जय जय बजरंगबली गीत पर जमकर झूमते नाचते नजर आए सांसद और केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके। दरअसल बैतूल के एक गणेश उत्सव पंडाल में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके दर्शन करने पहुंचे थे। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहे थे। जय जय बजरंगी गीत पर बजरंगबली के भेष में एक नर्तकी ने मंत्री दुर्गादास के काँधे पर गदा रख दी और इसके बाद जोश में आए मंत्रीजी भी बजरंगबली गीत पर झूमने लगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने ना केवल जमकर डांस किया बल्कि पंडाल में श्रीराम और भगवान गणेश के जयकारे भी लगाए। जिस पंडाल में मंत्री पहुंचे थे वहां गणेश प्रतिमा को श्रीरामलला की तर्ज पर बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने प्रतिमा के रूप की जमकर तारीफ भी की।

दो ब्लाकों में बहुत कम बारिश, गहरा सकता है जल संकट, जानें सभी 10 ब्लॉकों की स्थिति

बैतूल। इस वर्ष अब तक जिले में अच्छी बारिश हुई, लेकिन आठनेर और मुलताई दो ऐसे ब्लॉक है, जहां बहुत कम बारिश हो पाई है। अब बारिश का समय धीरे-धीरे बीतने में है। कुछ दिन में बारिश नहीं हो पाई तो इन दो ब्लॉकों में गर्मी के दिनों में जल संकट की स्थिति भी निर्मित हो सकती हैं। इस वर्ष जून की

शुरुआत से ही बारिश का दौर शुरु हो गया था। पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष अच्छी बारिश हुई है। चार ब्लॉकों में औसत बारिश का आंकड़ा पूरा हो गया, जिसमें घोड़ाडोंगरी, चिचोली, शाहपुर और भीमपुर ब्लॉक शामिल है। बारिश के मामले में दो ब्लॉक पिछड़ गए। आठनेर ब्लॉक में सबसे कम 661.0 और मुलताई में 705.1 मिमी ही बारिश हो पाई है। बारिश का सितंबर माह भी आधा बीत गया। अब एक पखवाड़े के भीतर इन दोनों ब्लॉकों मे अच्छी बारिश नहीं हुईहै तो इन ब्लॉकों के रहवासियों की चिंता और बढ़ जाएगी। गर्मी के दिनों में जलसंकट गहराने की भी संभावना बनी हुई है।

एक्टिव होगा नया सिस्टम- मौसम विभाग के मुताबिक 17 सितंबर से फिर एक नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। जिसके कारण जिले में बारिश के आसार बने हुए है। 17 और 18, 19 सितंबर को जिले में गरज चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। इसके बाद फिर बारिश से राहत मिलेगी। पिछले दो-तीन से मौसम खुला है। बारिश नहीं हुई है। बारिश नहीं होने से जिलेवासियों ने भी राहत की सांस ली है। जिले में अब तक 38 इंच बारिश हो चुकी है। औसत बारिश का कोटा पूरा होने के लिए 5 इंच बारिश की अभी भी दरकार है।

कहा कितनी हुई बारिश- बैतूल- 37 इंच, घोड़ाडोंगरी- 44 इंच, चिचोली-43 इंच, शाहपुर-43 इंच, मुलताई- 28 इंच, प्रभातपट्टन -.33 इंच, आमला-39 इंच, भैंसदेही- 36 इंच, आठनेर- 26 इंच, भीमपुर-48 इंच बारिष हुई है।

शाहपुर में पट्टा वितरण कार्यक्रम में महिला ने मचाया हंगामा

जमकर सुनाई केंद्रीय राज्यमंत्री को, कहा वोट लेने तो आते है, बाद में कोई सुनवाई नहीं

बैतूल/शाहपुर। नगर परिषद शाहपुर में रविवार को केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके के सामने एक कार्यक्रम में महिला ने जमकर हंगामा कर दिया। महिला आवासीय पट्टा और प्रधानमंत्री आवास नहीं मिलने से नाराज थी। महिला ने केंद्रीय मंत्री के सामने नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए जमकर खरी खोटी सुनाई। महिला को केंद्रीय राज्य मंत्री के सामने हंगामा करते देख मौजूद लोगों ने महिला को बड़ी मशक्कत के बाद शांत करवाया। दरअसल, रविवार को शाहपुर नगर परिषद में भूमि पूजन एवं पट्टा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उईके और घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके शामिल हुई थीं। कार्यक्रम के दौरान गीता बाई नाम की महिला ने प्रधानमंत्री आवास नहीं मिलने और आवासीय पट्टा सहित शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलने को लेकर मंत्री के सामने ही हंगामा कर दिया। महिला के अनुसार उसने नगर परिषद में कई बार आवेदन किया, लेकिन परिषद के लोग उसके आवेदन को कचरे की गाड़ी में डाल देते हैं। महिला ने मंत्री के सामने ही कहा कि वोट लेने हाथ जोड़कर आते हैं और बाद में कोई सुनवाई नहीं करते हैं। इस मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि महिला की शिकायत पर अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी और उसे सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। वहीं दूसरी ओर गीता बाई की तरह ही अन्य कई महिलाओं ने भी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के आरोप लगाए। गौरतलब है कि शाहपुर के विजय भवन में रविवार को भूमि पूजन और पट्टा वितरण कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना (चतुर्थ चरण) के तहत मोक्षधाम, सामुदायिक भवन जीर्णोद्धार और पार्क निर्माण के लिए 102 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इस अवसर पर कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। जिनमें अमृत 2.0 योजना के तहत 8.66 लाख रुपये की लागत वाले पार्क का निर्माण भी शामिल है।

घर वापस नहीं जाना था इसलिए हाथ बांधकर कुएं में कूदे 12वीं के छात्र-छात्रा

स्कुल से दो दिन पहले भागे थे दोनों

बैतूल। भीमपुर क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चों हाथ बांधकर ने कुएं में कूदकर जान देने की कोशिश की। दोनों ही कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। घर वापस न जाने और साथ में मरने के फैसले में लड़की का हाथ छूट गया और वह किसी तरह कुएं से बाहर निकल आई। लड़के के परिवार से जुड़े लोगों ने लड़की को भीमपुर चौकी पहुंचाया। यहां लड़की ने पुलिस को बताया कि दोनों ने सोमवार सुबह झिंझरी गांव के पास हाथ बांधकर कुएं में कूदकर जान देने का प्रयास किया, लेकिन उसका हाथ छूट गया और वह बाहर निकल गई। करीब आधे घंटे तक उसने कुएं से लडके के बाहर निकलने का भी इंतजार किया लेकिन वह बाहर नहीं निकला। इस पूरे मामले में फिलहाल भीमपुर चौकी प्रभारी ने ग्राम कोटवार के माध्यम से खंडवा पुलिस को सूचना करवाई है, क्योंकि जिस गांव के पास कुएं में कूदने की बात लड़की कह रही है वह खंडवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इधर लड़के के परिवार का आरोप है कि उनके बेटे के साथ लड़की के परिवार ने कोई अनहोनी कारित कर दी है। उनके परिवार को फोन आ रहे है कि लडके को मारकर कुएं में डाल दिया है। चौकी प्रभारी बलराम यादव ने बताया कि लडके की तलाश की जा रही है, जांच और बयान के बाद ही आगे कुछ कहना संभव होगा।

यह है मामला

भीमपुर मुख्यालय पर दो अलग-अलग शासकीय स्कूलों में पढने वाले कक्षा 12वीं के छात्र और छात्रा 14 सितंबर को करीब 3.30 बजे जल्दी छुट्टी होने पर स्कूल से घर नहीं गए। दोनों ही अपना सामान लेकर घर से भागने की फिराक में स्कूल आए थे और मौका मिलते ही 14 सितंबर को दोनों घर से भाग गए। सोमवार सुबह दोनों ने किसी भी कीमत पर घर न लौटने का निर्णय लिया और झांझरी गांव थाना खंडवा क्षेत्र के कुएं में कूदकर जान देने का प्रयास किया। लडका और लड़की की गुमशुदगी को लेकर परिजन भीमपुर चौकी भी पहुंचे थे, दोनों के साथ में होने की जानकारी जब पुलिस को लड़के पक्ष के लोगों से मिली तो पुलिस ने ढूंढकर चौकी लाने के लिए कहा। जब लडके के परिजनों को लड़की मिली तो उसे चौकी में लाया गया। पूछताछ के दौरान लडकी ने पुलिस को बताया कि दोनों ने हाथ बांधकर कुएं में कूदकर जान देने का फैसला लिया और सुबह कुएं में कूद गए, लेकिन हाथ छूट जाने की वजह से वह कुएं में लगी झाडियों एवं अन्य सहारे से बाहर निकल गई। आधे घंटे तक उसने कुएं के बाहर लडके का इंतजार भी किया। लड़का अपने साथ मोबाइल लेकर गया था। वह मोबाइल भी लड़की के बैग में ही मिला है।

धूम धाम से निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

नर्मदापुरम। पैगंबर हजरत मोहम्मद सहब के जन्मदिन के मौके पर सुबह 8:30 बजे से नर्मदापुरम शहर में हर साल की तरह इस साल भी जुलूस निकाला गया जो की सानी जामा मस्जिद बालागंज से शुरू एवं हर मोहल्ले के जुलूस जयस्थम्भ चोक पर एकत्रित होकर निकले, मेनबोर्ड स्कूल, सराफा चौक ,फाजिल मंजिल, गांधी पार्क, हीरो होंडा चौक,सतरस्ते एवं शहर के अन्य प्रमुख मार्गो से होते हुए उपभोक्ता भंडार पर समाप्त हुआ उसके पश्चात बाहर से आए हुए ओलमाओ द्वारा शहर व देश के अमन, चेन सुख समृद्धि के लिए दुआ मांगी गयी एवं शहर के वरिष्ठ नागरिकों एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा झांकी एवं बाईक सजाने वाले एवं अन्य कार्यो में हिस्सा लेने वालों को पुरस्कार वितरण किया गया। इसमें मुख्य रूप से शहर काजी अशफाक अली, हाफिज अब्दुल अलीम, फेजान उल हक, जब्बार खान,मुफ्ती शमीम अखतर,कारी ज़फीर, डा मुबीन खान ,हबीब खान,नवीद कुरेशी, मो आमिर, गुलाम मुस्तफा, फेज़ान खान ज़ाकिर खान, शेख इमरान, आदिल फाज़ली, राजा नफीस ,असद वेग, पप्पू जादूगर, हसीब खान, शाकिर खान आदी उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे पर गढ़ा का टोल प्लाजा ही अवैध, टैक्स लेना गलत : हेमन्त वागद्रे

बैतूल। बैतूल-इंदौर नेशनल हाईवे पर गढ़ा टोल प्लाजा के मामले में जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे का कहना है कि यह टोल टैक्स ही अवैध है और इसे हटाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि 60 किमी की दूरी पर टोल टैक्स बनता है, लेकिन यह टोल टैक्स 25 किमी पर बना दिया गया है। श्री वागद्रे का कहना है कि भाजपा के सांसद और विधायकों द्वारा यह मामला एनएचएआई के अधिकारियों के साथ बैठक में क्यों नहीं उठाया गया। कलेक्टर, एसपी और एनएचएआई के अधिकारियों के साथ भाजपा के सांसद और विधायकों की जो हाल ही में बैठक हुई थी, उसमें बैतूल के आम लोगों के हित की कोई बात ही नहीं हुई है।

ग्रामीणों को क्यों नहीं दिलवा रहे फ्री पास- इस बैठक में गढ़ा टोल पर पास जारी करने की बात कही गई है और बताया गया कि इसका शुल्क लगेगा। उनका कहना है कि जब शुल्क लगना ही है तो जायज टोल पर लगे, अवैध टोल पर नहीं। उनका कहना है कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की जनता ने भरपूर वोट दिए है, इसके बावजूद वे गढ़ा टोल क्षेत्र के बीस किमी में फ्री पास क्यों नहीं दिलवा रहे ?

व्यक्तिगत हित के आधार पर करते काम- वागद्रे का आरोप है कि भाजपा के जनप्रतिनिधि केवल अपने व्यक्तिगत हित के आधार पर सारे काम करते हैं और अधिकारियों के साथ जो मीटिंग करते हैं उसमें में भी अपना हिडन एजेंडा रहता है।

जनप्रतिनिधियों के साथ एनएच अफसरों की बैठक

गौरतलब है कि बैतूल जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट में जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एनएच के प्रोजेक्ट डायरेक्टर की बैठक हुई थी। इस बैठक में विभिन्न समस्याओं पर मंथन हुआ था।

बैठक में केन्द्रीय राज्यमंत्री डीडी उईके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भैंसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान, मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे और घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई उईके ने एनएच हरदा-बैतूल-भोपाल फोरलेन से संबंधित आमजन को आ रही समस्याओं से प्रोजेक्ट डायरेक्टर को अवगत कराकर समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश। प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने आश्वस्त किया कि जल्द ही एनएच के इंजीनियरों, अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ एनएच बैतूल-हरदा सहित बैतूल-भोपाल फोरलेन का भ्रमण कर समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया और एनएच के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री मीणा भी मौजूद रहे। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री सहित बैतूल जिले के पांचों विधायकों ने एनएच हरदा और बैतूल-भोपाल फोरलेन से संबंधित विभिन्न समस्याओं से एनएच के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को अवगत कराया। जनप्रतिनिधियों ने एनएच के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को गढ़ा टोल से 20 किमी क्षेत्र के रहवासियों को एनएच के नियमानुसार निर्धारित राशि जमा करवाकर पास जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैतूल-भोपाल मार्ग पर पूर्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त भ्रमण के दौरान जो समस्याएं बताई गई थी, उसका निराकरण शीघ्र करवाने के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि वे केंद्रीय परिवहन मंत्री से चर्चा कर एनएच संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

जन्मदिन विशेष

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

लेखक मप्र के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

राष्ट्र कल्याण के लिए सदैव चिंतनशील रहने वाले पीएम मोदी

यद्यदाचरति श्रेष्ठसतत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरूते लोकस्तदनुवर्तते।।
- श्रीमद्भगवदगीता

अर्थात् महापुरूष जो आचरण करते हैं, सामान्य व्यक्ति उसी का अनुसरण करते हैं। वह अपने अनुकरणीय कार्यों से जो आदर्श प्रस्तुत करते हैं, सम्पूर्ण विश्व उसका अनुसरण करता है। आधुनिक विश्व में ऐसे ही एक युगपुरूष भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होंने न केवल भारत में अपितु संपूर्ण विश्व में मानव कल्याण के उच्च आयाम स्थापित किये हैं। आधुनिक भारत में नरेन्द्र मोदी जी का जीवन चरित्र भारतीयता और राष्ट्रीयता का पर्याय माना जा सकता है। उनके चिंतन में और उनके कार्यों में राष्ट्रवाद की भावना हमेशा सर्वोपरि रही है। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने भारत की उस महान राष्ट्रीय परम्परा और गौरवशाली इतिहास को पुर्नजीवित किया है जो लंबी पराधीनता के कारण रसातल में चला गया था।

वर्ष 1947 में प्राप्त स्वतंत्रता के पश्चात् वर्ष 2014 तक भारत के राजनीतिक क्षितिज पर छाए धुंधलके में प्रधानमंत्री के रूप में एक सूर्य का अभाव सदा ही सालता रहा। यह अभाव नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर ही पूरा हो सका। एक प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में आज भारत विकास और समृद्धि के उच्चतम शिखर को स्पर्श कर रहा है। भारत अब दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वर्ष 2014 से अब तक भारत की जीडीपी 162 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसी अवधि में प्रत्येक भारतीय की औसत आय दो गुनी से भी अधिक हो गई है। विदेशी मुद्रा भण्डार इस अवधि में 290 अरब डॉलर से बढ कर 620 अरब डॉलर हो चुका है। विगत लगभग 10 वर्षों में देश के अधोसंरचनात्मक विकास ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी प्रोत्साहित किया है। यह सब भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भागीरथी प्रयासों से ही संभव हो सका है।

हमारे देश में गरीबों के हित के लिए अक्सर भारत सरकार द्वारा नई-नई योजनाओं की शुरुआत की जाती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्तमान में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना भी ऐसी ही एक लाभकारी योजना है। इस योजना के कारण भारत की करोड़ों ग्रामीण जनता का स्वयं के घर का सपना साकार हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष 2015 में ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना आरंभ की थी। इस योजना से पूरे जीनवकाल में शिशु लिंग अनुपात को सन्तुलित करने में अभूतपूर्व सफालता प्राप्त हुई है। यह अभियान न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में चर्चित और प्रचारित हुआ था। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के द्वारा आज संपूर्ण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के नये मापदण्ड स्थापित किये गये हैं। देशवासियों को 5 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से प्रधानमंत्री का यह कदम निश्चित ही मील का पत्थर है।

2019 लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने कई बड़े चुनावी वादे किए थे। उन सभी को केंद्र सरकार ने उनके नेतृत्व में पूरा किया गया है। हिंदुओं, जैन, पारसियों, बौद्धों, ईसाइयों और पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में प्रताड़ित सिखों को भारत में स्थान देकर यहाँ का नागरिक बनने का अधिकार देने का भी वादा करने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने राम मंदिर के निर्माण और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने की प्रतिबद्धता भी जताई थी। इन सभी बहुप्रतीक्षित कार्यों को पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर नरेन्द्र मोदी ने न केवल भारतीय जनता पार्टी के पुरोधा विचार को साकार किया है अपितु देश के समस्त सनातन

समुदाय की आकांक्षाओं को भी पूर्ण किया है। भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के लिये प्रधानमंत्री मोदी लगातार काम कर रहे हैं। उन्होने भारत वर्ष संस्कृति, गौरवशाली परम्पराओं और आध्यात्मिक विचारों को देश की सीमाओं से बाहर संपूर्ण विश्व में प्रसारित कर स्वामी विवेकानंद के उन विचारों को साकार किया है जो स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में प्रकट किये थे।

नीतिशास्त्र कहता है -
तस्मात् नित्योत्थितो राजा कुर्मादर्थानुषासनम्।
अर्थस्य मूलमतथनमर्थस्य विपर्ययः।।

अर्थात् राजा को चाहिये कि वह हमेशा उद्योगशील होकर, व्यवहार संबंधी तथा राज्य संबंधी कार्यों को उचित रीति से पूरा करे। इसी नीति का अनुसरण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नित्य उद्योगशील रहकर राष्ट्र और मानव कल्याण के कार्यों में क्रियाशील रहते हैं। उन्होंने आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने का संकल्प लिया है। उनके नेतृत्व में भारत वर्ष में संरचनात्मक एवं प्रक्रियात्मक परिवर्तन की एक नई यात्रा आगे बढ़ी है। यह भारत के जन-जन को सशक्त बनाने और अपनी परम्परागत खोई हुई पहचान को पुर्नस्थापित करने की यात्रा है। इस यात्रा के पैरोकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके नेतृत्व में हमारा देश समग्र प्रगति और समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

एक राजा को राष्ट्र की उन्नति और सुरक्षा के लिये कौन-कौन से कार्य करने चाहिये इसका बहुत हीं सुंदर उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है -

अभीवर्तेन मणिना येनेन्द्रो अभिवावृधे।
तेनास्मान् ब्रह्मणस्पतेऽमि राष्ट्राय वर्धये।।

अर्थात् जिस समृद्धि प्रदान करने वाले मणि के द्वारा इन्द्र की प्रगति हुई है, उसी मणि के द्वारा आप हमे राष्ट्र कल्याण करने के उद्देश्य में विस्तृत करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में भारत के पास भी एक ऐसी मणि है जो सदैव राष्ट्र कल्याण के चिंतनशील और प्रगतिशील है। प्रधानमंत्री मोदी भारत वर्ष को समग्र रूप से आत्मनिर्भर बनाने का स्वप्न देखते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप जनतंत्र की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त और आत्म निर्भर बनाना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में अनेक कल्पनातीत विचारों ने साकार रूप लिया है। उनके विचारों, नीतियों और आदर्शों का अनुकरण केवल भारतवर्ष ही नहीं कर रहा है, बल्कि संपूर्ण विश्व उनके दर्शन और चिंतन से प्रभावी है। प्रधानमंत्री मोदी आधुनिक भारत के युगदृष्टा हैं जो भारतवर्ष को विश्व की सर्वाधिक शक्ति संपन्न सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के पुनीत पथ पर प्रगतिशील हैं। उनकी राष्ट्र साधना एवं सामाजिक सरोकार के अनगिनत पुनीत कार्यों को देखकर हम यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि यह सब असंभव से दिखने वाले कार्य किसी सामान्य से दिखने वाले एक व्यक्तित्व ने कैसे संभव कर दिखाए हैं। यह अवश्य ही भारत भाग्य विधाता के रूप में देवात्मा हिमालय में सूक्ष्म शरीर से साधनारत असंख्य ऋषि चेतनाओं के आशीर्वाद से ही संभव हो सका है। ऐसे यशस्वी व्यक्तित्व और हमेषा राष्ट्र साधना में लीन रहने वाले नरेन्द्र मोदी जी को अपने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पाकर हम और भारत की करोड़ों जनता स्वयं को धन्य मानती है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी भाजपा,17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

सेवा पखवाड़े कार्यक्रम में केंद्रीय राजयमंत्री सावित्री ठाकुर शामिल होंगी

धार। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जिले में आयोजित किए जाएंगे। सेवा पखवाड़े के विभिन्न कार्यक्रम में केंद्रीय राजयमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर शामिल होंगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने बताया कि देश में सेवा परमो धर्म को चरितार्थ करते हुए समाज के गरीब शोषित एवं वंचित वर्गों के उत्थान हेतु अनेक उल्लेखनीय कार्य माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में हो रहा है किसान कल्याण को प्राथमिकता के साथ-साथ अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु मोदी सरकार द्वारा अनेक ऐतिहासिक कार्य किये जा रहे हैं द्य पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा जी के कुशल मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस अभियान निमित्त सेवा पखवाड़ा जिला टोली सदस्य बनाए गए जिसमें जिला उपाध्यक्ष नीलेश भारती और विकास मेहरवाल जिला मंत्री दीपक फेमस आईटी सेल संयोजक दीपक शर्मा को सदस्य बनाया गया तथा मंडल स्तर पर तीन सदस्य की टोली भी बनाई गई। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसमे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर को केंद्रीय राजयमंत्री सावित्री ठाकुर जिला मुख्यालय पर ग्राम देलमी में स्वच्छता ही सेवा अभियान के शुभारंभ में सहभागिता,आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण तथा इंदौर नाका स्थित आश्रम में वृद्धजनो का सम्मान और भोजन कार्यक्रम में शामिल होगी।

17 सितंबर से शुरू होने वाली कार्यक्रमों की श्रंखला 02 अक्टूबर तक चलेगी।सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में 18 सितंबर से 24 सितंबर तक स्कूल एवं अस्पताल परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 23 सितंबर को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा द्य सेवा पखवाड़ा के दौरान जिले के विभिन्न स्थानों पर 15 दिनों तक माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं उपलब्धियां की एक सचित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा द्य इस दौरान कला और ड्राइंग प्रतियोगिताएं, रंगोली प्रतियोगिताएं, भाषण और निबंध की प्रतियोगिताएं, आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत व वोकल फॉर लोकल एवं प्रश्नोत्तरी पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा द्य 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के मध्य बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत अधिक से अधिक पेड़ लगाने का भी संकल्प है द्य 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर प्रत्येक बूथ पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन होगा एवं उनकी जयंती पर प्रत्येक बूथ पर न्यूनतम 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है द्य 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती मनाने के साथ स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा एवं कम से कम एक खादी का कपड़ा खरीदने का आह्वान प्रत्येक व्यक्ति से किया जाएगा द्य जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

धार में गायत्री परिवार की एक दिवसीय तहसील स्तरीय संगठन सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

धार। गायत्री शक्तिपीठ धार पर एक दिवसीय तहसील स्तरीय 'संगठन सशक्तिकरण प्रशिक्षण' कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला मे ट्रस्ट मंडल ,तहसील समन्वय समिति के सदस्य,महिला मंडल, प्रज्ञा मंडल, युवा मंडल के सदस्य एवं सक्रिय नैष्ठीक - प्राणवान परिजनों ने भाग लिया। प्रशिक्षण देने हेतु टोली धार जिला मुख्यालय स्थित धार गायत्री शक्तिपीठ पर पहुंची।

टोली मे शांतिकुंज के प्रतिनिधि वरिष्ठ गायत्री परिजन मोहन सिंह सिसोदिया और बलवंतसिंह मंडलोई ने प्रशिक्षण दिया । बताया कि मिशन का प्रचारात्मक कार्य पूर्ण उत्साह के साथ करते हुए गुरूदेव के मार्गदर्शन मे गायत्री एवं यज्ञ को गांव-गांव तक पहुंचा दिया गया है।

अब संगठन को और अधिक सशक्त एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से अखंड दीप एवं मातृ शक्ति जन्म शताब्दि वर्ष 2026 के पूर्व प्रत्येक जिले मे संगठन को सशक्त बनाना है। संघ शक्ति इस युग में सबसे बड़ी शक्ति है 'संघे शक्ति कलयुग'। अतः सभी सक्रिय परिजन जो स्वयं को गुरूदेव का अंग अवयव मानते है इस गुरू कार्य मे जुट जाए। श्री सिसोदिया ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार के माध्यम से 2026 में मातृशक्ति श्रद्धांजलि समारोह आयोजन के निमित्त संपूर्ण गायत्री परिवार को संगठित करने हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर प्रशिक्षण चल रहा है। जिसका उद्देश्य परम पूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य के युग निर्माण योजना के विचारों को विचार क्रांति अभियान के माध्यम से घर-घर तक पहुंचना है । जिले और तहसील के प्रत्येक पंचायत में पहुंच करके मां गायत्री को घर-घर में स्थापित करना है ताकि सद्बुद्धि की देवी के माध्यम से भारत के हर गांव में सद्बुद्धि स्थापित हो। हमारी नारी शक्ति और युवा सन्मार्ग पर चलें और आगे बढ़े। सप्त आंदोलन में भागीदार हो साधना, शिक्षा ,स्वास्थ्य, स्वालंबन, पर्यावरण ,नारी जागरण, कुरीति उन्मूलन , नशा निवारण जैसे क्रियाकलापों की पक्ष में वातावरण तैयार हो जिससे देवत्व का वातावरण बने। कार्यशाला में धार शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में मातृशक्ति अखंड दीप श्रद्धा संवर्धन यात्रा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले परिजनों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

श्री सिद्धि विनायक मंदिर में संगीतमय महाआरती, देनवा गार्डन में भंडारे का आयोजन

सुबह सवेरे सोहागपुर

रेलवे स्टेशन रोड खंडेलवाल कालोनी में स्थित श्री सिद्धि विनायक मंदिर में रविवार रात संगीतमय महाआरती का आयोजन किया गया। इस महाआरती में खंडेलवाल कालोनी निवासियों के अलावा नगर के नागरिक एवं महिलाओं की काफी उपस्थित रहीं। संगीतमय महाआरती में विभिन्न देवी देवताओं की करीबन सात आरतियां की गई ।कईमहिलाएं अपने अपने घरों से दीप लेकर पूजन करने पहुंची थीं। उल्लेखनीय है कि श्री सिद्धि

विनायक के अलावा श्री नर्मदेश्वर महादेव की भी पूजा अर्चना की गई। मंदिर परिसर के अलावा मंदिर के पूरे रास्ते विधुत की रोशनी से सजावट की गई थी। इस महाआरती में क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व नपाध्यक्ष शीतल मनोज खंडेलवाल, कृष्णा पालीवाल, वरिष्ठ वकील जेपी माहेश्वरी, पंडित प्रकाश मुदगल, वकील शंकरलाल मालवीय,आकाश पटैल, भाजपा नेता विशाल गोवानी,अश्विन सरोज, संजय खंडेलवाल,गोलू अग्रवाल, प्रतिपाल सिंह खनूजा, सरताज सिंह खनूजा, यश खंडेलवाल, अभिषेक अग्रवाल, जगदीश पटैल, अमित बिल्लौरे, राजेश शुक्ला,धनराज तिवारी,महेश साहू सहित सैकड़ों नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित थीं। महाआरती के उपरांत देवना गार्डन में भंडारे का आयोजन किया गया था। आयोजक श्रीमति अनुपमा एवं अभय खंडेलवाल ने सभी धर्मप्रेमियों से आयोजन में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया है।

केसरीमल सेनापति की पुण्यतिथि पर भाजपा ने नगर प्रतिमा पर माल्यार्पण श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया

धार। हिंदू समाज में 'सेनापति' नाम से उपकृत, भाजपा के आधारस्तंभ, भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य श्रद्धेय केसरीमल सेनापति की 28 वीं पुण्यतिथि पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा और वैश्य समाज के पदाधिकारी की उपस्थिति में भाजपा नगर ने आदर्श रोड रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया जाएगा । भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने बताया कि यह गर्व की बात है धार नगर का एक मंडल श्रद्धेय केसरीमल सेनापति के नाम से है। इस अवसर पर केसरीमल सेनापति जी परिवार से सुभाष जैन डॉ उमेश मित्तल भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा मंडल महामंत्री राजेश डाबी और पुरुषोत्तम चौहान गौरव जाट पर्वत सूर्यवंशी राजेन्द्र

राठौर,कालीचरण सोनवानिया ,कुन्दन भुरिया,रजत प्रजापति , शांतिलाल शर्मा देवांग पवार ,राजेंद्र राठौड़ रितेश अग्निहोत्री, हरीश आर्य सहित नगर पदाधिकारी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

डोल ग्यारस महोत्सव में 150 साल पुरानी परम्परा के विपरीत मेले में पुलिस द्वारा दुकानें बंद कराने को लेकर ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर

डोल ग्यारस महोत्सव मेले में करीबन 150 साल पुरानी परम्परा के विपरीत रात भर खुली रहने वाली दुकानों को पुलिस द्वारा बंद कराने को लेकर डोल ग्यारस महोत्सव समिति ने अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन को ज्ञापन सौंपा।इस अवसर पर डोल ग्यारस समिति अध्यक्ष राजेंद्रसिंह चौधरी, समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल, नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल, वकील मंगलसिंह रघुवंशी,वकील संजय तिवारी, वकील शिवकुमार पटेल , ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौधरी, वकील अखिलेश मालवीय, माधव भावसार, पूर्व पार्षद चंद्रकांत चौरसिया साहू समाज अध्यक्ष भूरा साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष आकाश पटेल, उमेश रघुवंशी, राकेश चौधरी ,अनु दीवान,महेश साहू सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस ज्ञापन में कहा गया है कि मप्र में एक मात्र डोल ग्यारस का त्यौहार सोहागपुर में मनाया जाता है। जिसमें क्षेत्र भर के श्रद्धालु एकत्रित होकर समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हैं। जिसमें प्रत्येक मंदिर से भगवान के डोलो का नगर में भ्रमण होता है ।यह परम्परा नगर की 150 वर्ष पुरानी है। इसके बाबजूद पुलिस ने रात्रि में मेले की दुकानों को जबरदस्ती बंद करवाया गया । नगरवासियों को अपेक्षा है इस मामले में उचित कार्यवाही की जाए। इस संबंध डोल ग्यारस समिति ने जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम के अलावा क्षेत्रीय विधायक को ज्ञापन की प्रति प्रेषित की है।

ओवरब्रिज निर्माण होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा सांसद, विधायक से मिलेगा प्रतिनिधि मंडल

सुबह सवेरे सोहागपुर

ओवरब्रिज निर्माण होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा इसी संदर्भ को लेकर तिलक वार्ड में नागरिक संघर्ष समिति की बैठक संपन्न हुई।इस बैठक में नागरिक संघर्ष समिति संयोजक शिवकुमार पटैल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय,सुरेश दुबे,सुरेश नरवरिया,पूर्व पार्षद हरगोविंद पाली, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल, वाटिका गार्डन संचालक प्रशांत जायसवाल, वरिष्ठ पार्षद जमील खान, वरिष्ठ पार्षद धर्मदास बेलवंशी,अधिवक्ता कपिल शर्मा,रामसिंह रघुवंशी,विक्की छाबड़िया,विवेक दुबे, दीपक रघुवंशी,अशोक नागा,चंदन सिंह साहू,मोनू,संजय दुबे उपस्थित थे। बैठक के उपरांत नागरिक संघर्ष समिति संयोजक शिवकुमार पटेल ने इस प्रतिनिधि को बताया कि 18 तारीख को प्रतिनिधिमंडल सांसद एवं विधायक से मिलेगा । उनको सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय की आवश्यकता ओवरब्रिज,अंडर ब्रिज के साथ इंटरसिटी, जनशताब्दी, महानगरी, संघमित्रा, ओवरनाइट ट्रेनों के स्टापेज, रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 की ऊंचाई बढ़ाने,प्लेटफार्म पर डिस्प्ले बोर्ड लगाने के साथ ही दोनों प्लेटफार्म पर यात्रियों के बैठने की सुविधा एवं टीन शेड निर्माण कराने के लिए विस्तृत आवश्यकता के कारण बताएं जाएंगे। वही सुरक्षा की दृष्टि से जीआरपी, आरपीएफ के नौजवानों की नियुक्ति की मांग भी करेगा।

उल्लेखनीय है कि नगर में रेलवे समपार गेट पर ओवर ब्रिज,अंडर ब्रिज नहीं होने के कारण काफी बुजुर्ग, विद्यार्थियों, महिलाओं, नागरिकों को परेशानी होती है। इसी कारण नगर के तिलक वार्ड व इंदिरा वार्ड का विकास रुक गया है। इसके निर्माण होने से दोनों वार्डो के विकास में गति आएगी। नगर के नागरिक वर्षों से ब्रिज की मांग करते आ रहे हैं। पूर्व में भी मोबाइल के मध्यम से सांसद जी को उक्त मांगों के संबंध में अवगत करा चुके हैं। नव निर्वाचित सांसद दर्शनसिंह से नगर के नागरिकों को काफी अपेक्षाएं हैं।

मंदसौर में ईद-मिलादुन्नबी जुलूस से असामाजिक तत्वों ने मंदिर पर फेंके पत्थर,बंद हुईं दुकानें

पत्थर लगने से मंदिर में एक व्यक्ति घायल, हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन-नारेबाजी की

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर में सोमवार को ईद मिलादुन्नबी का जुलूस जब नेहरू बस स्टैंड से निकल रहा था तभी यहां स्थित बड़े बालाजी मंदिर पर जुलूस के बीच में से किसी असामाजिक तत्व ने पत्थर फेंका। इससे मंदिर परिसर में खड़ा एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके बाद लोगों के बीच विवाद शुरु हो गया। एसपी आशुतोष आनंद, एएसपी गौतम सिंह, सहित पुलिस बल ने मोर्चा संभाला।

दुकानों के गिरे शटर- मंदिर में पत्थर फेंकने और एक व्यक्ति के घायल होने से हिंदू संगठन के पदाधिकारी आक्रोशित हो गए। मंदिर के बाहर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। हिंदू संगठन ने मांग की कि पत्थर फेंकने वाले आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। इधर जुलूस में विवाद की खबर के बाद शहर के कई बाजारों में दुकानदार शटर गिराकर जाने लगे।

सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ- पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मुस्लिम समाज के जुलूस को गंतव्य तक पहुंचाया। इसी दौरान बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी एकत्र हो गए। काफी देर तक पुलिस और हिंदू कार्यकर्ताओं के बीच बहस के बाद

हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो सख्त कदम उठाएगा।

जुलूस के लेकर पहले से आगाह- भाजपा नेता गौरव अग्रवाल और विनय दुबेला ने बताया कि हिंदू संगठनों ने प्रशासन को पहले ही आगाह किया था कि मुस्लिम जुलूस के मार्ग में आने वाले हिंदू मंदिरों में पुलिस की विशेष व्यवस्था की जाए। हालांकि, प्रशासन ने इसे हल्के में लिया और मुस्लिम पक्ष में शामिल असामाजिक तत्वों ने प्लानिंग के तहत पत्थर फेंके। इससे दोनों पक्षों में माहौल गर्मा गया।

पुजारी के सहयोगी के सिर लगा पत्थर- बालाजी मंदिर के पुजारी शरद द्विवेदी ने बताया कि हम मंदिर में बैठे थे। जुलूस निकल रहा था इसी दौरान जुलूस के बीच में से एक पत्थर पास बैठे सहयोगी के सिर में लगा। एक पत्थर से मेरे पैर में भी चोट लगी। विरोध करने पर कुछ पत्थर और चप्पल हमारे ऊपर फेंके गए थे।

मामले में शहर कोतवाली पुलिस ने मंदिर पुजारी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि अब सब शांत है। असामाजिक तत्वों की धरपकड़ जल्द ही की जाएगी।

दामाद को घर से बाहर बुलाकर चाकूओं से गोदा

ससुर ने नाबालिग बेटे के साथ किया हमला; बेटी की लव मैरिज से नाराज था

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में बेटी के लव-मैरिज करने से नाराज पिता ने दामाद की हत्या कर दी। वह अपने नाबालिग बेटे के साथ दामाद के घर पहुंचा। उसे बाहर बुलाकर चाकूओं से गोद दिया। घायल को लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वारदात रविवार रात करीब 9.30 बजे बढ़िया लाइन चांदामेटा की है। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि नाबालिग हमलावर भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

बेटे के साथ दामाद के घर पहुंचा आरोपी

परासिया एसडीओपी जितेंद्र जाट ने बताया कि योगेश (26) पिता दयाराम मालवीय बढ़िया लाइन क्षेत्र में बसोड़ी मोहल्ला स्थित अपने घर पर था। रात में मोहल्ले का ही रहने वाला विदेश मालवीय अपने 17 साल के बेटे के साथ उसके घर पहुंचा। उन्होंने दरवाजा खटखटाकर योगेश को बाहर बुलाया। बाहर आते ही आरोपियों ने उसके पेट और छाती पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया।

शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी को पकड़ा

घटना के वक्त योगेश की पत्नी राधिका घर के अंदर थी। शोर सुनकर वह और पड़ोसी बाहर आए। पड़ोसियों ने आरोपी विदेश को पकड़ लिया, लेकिन नाबालिग हमलावर भाग गया। जिसके बाद पड़ोसियों ने डायल 100 को सूचना दी। घायल को परासिया के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

ट्यूशन के बहाने लेडी टीचर पर धर्मांतरण करवाने का आरोप

पिकनिक पर घर बुलाया था, शक के आधार पर गिरफ्तार; 11 बच्चों को छुड़वाया

बैतूल (नप्र)। बैतूल के हमलापुर इलाके में सोमवार को एक घर में धर्मांतरण की सूचना के बाद पुलिस ने 11 नाबालिग बच्चों को बरामद किया हैं। हिंदू सेना की रिपोर्ट के आधार पर दो महिलाओं समेत एक व्यक्ति के खिलाफ धर्म परिवर्तन के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, पकड़े गए लोगों के परिजनों का कहना है कि बच्चे यहां ट्यूशन पढ़ने आते है। आज छुट्टी पर वह पिकनिक के लिए इकट्ठा हुए थे।

राष्ट्रीय हिन्दू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय के मुताबिक आज उन्हें सूचना मिली थी कि हमलापुर में एक मकान में कुछ नाबालिग बच्चों का धर्मांतरण करवाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस को सूचना देकर जब वह मौके पर पहुंचे तो वहां नाबालिग बच्चों का धर्मांतरण करवाया जा रहा था। वहीं, एएसपी कमला जोशी ने बताया कि मौके पर 11 बच्चे मिले है। जिनकी उम्र दो साल से लेकर 17 साल तक है।

बच्चों को गंज थाना लाकर उनसे पूछताछ की जा रही है। मौके पर कुछ धार्मिक साहित्य भी मिला है। दीपक मालवीय की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ एमपी धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और एससी एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सीवरेज साफ करते वक्त धंसी सड़क, एक की मौत

10 फीट गहरे गड्ढे में उतरे थे दो कर्मचारी; चश्मदीद बोला-बचाव दल लेट पहुंचा

रतलाम (नप्र)। रतलाम में सीवरेज की सफाई के दौरान सड़क का हिस्सा धंस गया। मलबे में दबने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। हादसा रविवार देर शाम करीब 8 बजे हुआ। घटना के विरोध में सोमवार सुबह

नगर निगम और ठेका सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।

नगर निगम ने सीवरेज सफाई का काम जे बरूडी एजेंसी को कॉन्ट्रैक्ट पर दे रखा है। हादसे के शिकार दोनों कर्मचारी इसी कंपनी के थे।

10 फीट गहरे गड्ढे में काम कर रहे थे कर्मचारी- रतलाम के दिलीप नगर में सीवरेज लाइन साफ करने के लिए रविवार को जेसीबी से खुदाई कर 10 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया। दो ठेका कर्मचारी गड्ढे में उतरकर काम कर रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे का हिस्सा धंस गया। मिट्टी-पत्थर कर्मचारियों के ऊपर आ गिरे, वे दोनों दब गए।

सूचना पर नगर निगम से फायर लॉरी, सालाखेड़ी चौकी प्रभारी मुकेश यादव समेत पुलिस बल पहुंचा। दोनों कर्मचारियों को बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया। यहां डॉक्टरों ने सुनील (26) पिता मुन्नालाल गौहर निवासी सैफी नगर को मृत घोषित कर दिया। बहादुर (28) पिता हेमराज डामोर निवासी हरथल (रावटी) का इलाज जारी है।

चश्मदीद राजेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि एंबुलेंस और फायर लॉरी देरी से पहुंची थीं। कर्मचारियों के पास सेफ्टी के साधन भी नहीं थे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बमुश्किल निकाला जा सका।

आरोप- सुरक्षा के साधन नहीं पहनाए

सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे ठेका कंपनी के सफाई कर्मचारी नगर निगम पहुंचे। यहां नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कर्मचारी संगठन के नेता कमल भाटी ने कहा- जेसीबी से 10 फीट गहरा, 20 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा गड्ढा खोदा गया था। कर्मचारियों को गड्ढे में उतारते समय ठेका कंपनी ने सुरक्षा के साधन नहीं पहनाए। हेलमेट और अन्य साधन होते तो सुनील की जान नहीं जाती।

उन्होंने कहा- सुनील के परिजन को एक करोड़ रुपए का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही नगर निगम में ठेका प्रथा को खत्म किया जाए।

परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता

हंगामे की सूचना मिलने पर मध्यप्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। सर्किट हाउस में बैठक के बाद महापौर प्रहलाद पटेल ने नगर निगम की ओर से मृतक के परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सुनील की पत्नी को आउटसोर्स से नौकरी देने का आश्वासन भी दिया। आश्वासन के बाद कर्मचारी काम पर लौट गए।

करोसिया ने कहा कि नियमानुसार सीवरेज के काम से पहले कर्मचारी को ट्रेनिंग दी जाती है। इस मामले में सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए, जो बड़ी लापरवाही है। निगम सिटी इंजीनियर की भी जिम्मेदारी बनती है।

डेढ़ महीने पहले काम पर लगा था सुनील

सुनील गौहर शादीशुदा था। तीन साल का बेटा भी है। पिता मुन्नालाल गौहर ने बताया कि बेटा पिछले डेढ़ महीने से ठेका कंपनी में काम कर रहा था।

कमिश्नर बोले- मामले की जांच की जाएगी

नगर निगम कमिश्नर हिमांशु भट्ट ने बताया कि मौके पर सुरक्षा के साधन नहीं पाए गए हैं। मामले की जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, सालाखेड़ी चौकी प्रभारी मुकेश यादव ने कहा कि सीवरेज लाइन की मरम्मत के दौरान मिट्टी धंस गई। मामले की जांच की जा रही है।

टीआई के चैंबर में एएसआई ने अपनी वर्दी फाड़ी

कहा- भाजपा नेता ने दी वर्दी उतरवाने की धमकी, इसलिए बीपी बढ़ गया था

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली जिले में एक एएसआई (असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर) का वर्दी फाड़ने और टोपी-बेल्ट फेंकने का वीडियो सामने आया है। वीडियो 2 फरवरी 2024 का बताया जा रहा है, जो थाना प्रभारी के चैंबर का है। यहां नगर निगम के अधिकारी, तत्कालीन थाना प्रभारी और एसआई समेत कई लोग बैठे दिख रहे हैं।

एएसआई विनोद मिश्रा बैढ़न थाने में पदस्थ हैं। बताया जा रहा है कि 2 फरवरी की शाम उनके आवास के पास नाली के विवाद को लेकर थाना प्रभारी के चैंबर में बातचीत हो रही थी। सभी लोग चाय पी रहे थे। इसी बीच बातचीत के दौरान विनोद मिश्रा उठकर अपनी वर्दी फाड़ने लगते हैं।

सात महीने बाद सामने आया वीडियो- बैढ़न थाना प्रभारी के चैंबर में लगे सीसीटीवी कैमरे का यह वीडियो 7 महीने बाद सामने आया है। इसे लेकर कांग्रेस प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल भी उठा रही है।

एएसआई मिश्रा बोले- भाजपा नेता दे रहे थे वर्दी उतरवाने की धमकी- एएसआई विनोद मिश्रा ने मीडिया को बताया कि उस दिन चैंबर में भाजपा नेता और पार्षद पति अर्जुन दास गुप्ता बैठे थे। उन्होंने थाना प्रभारी के सामने ही मुझे वर्दी उतरवा देने की धमकी दी। ये सुनकर मेरा बीपी बढ़ गया था। इस दौरान मुझे कुछ नहीं सूझा और मैंने वर्दी उतार दी।

घर के सामने से निकल रही नाली को लेकर विवाद- विनोद मिश्रा ने यह भी बताया कि भाजपा नेता अर्जुन दास गुप्ता, पड़ोसी मनोज पांडेय और हरीश चौधरी मुझसे रंजिश रखते हैं। विवाद सिर्फ घर के सामने से निकल रही सड़क और नाली को लेकर है। इसे लेकर कई बार न सिर्फ थाने में शिकायत हुई, बल्कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के पास भी शिकायत की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच के बाद भी नगर निगम अमला यह खुद मानता है कि वहां न मैंने कोई अतिक्रमण किया है, और न ही अब वहां किसी नाली की जरूरत है। इसके बाद भी रंजिश के चलते और भाजपा नेता के दबाव में मुझसे विवाद किया गया।

इस मामले पर भाजपा नेता अर्जुन दास गुप्ता ने मीडिया को बताया कि जहां पर विनोद मिश्रा का घर है, वहां नाली और सड़क निर्माण होना है। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी के चैंबर में बातचीत चल रही थी। इस दौरान विनोद मिश्रा ने अचानक आवेश में आकर खुद ही अपनी वर्दी फाड़ दी। मैंने उन्हें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं दी।

कभी खुशी तो कभी गम से भरे रहे प्रोजेक्ट चीता के 2 साल

● पवन-गामिनी की मौत, मुखी का बचपन... ● 17 सितंबर 2024 को प्रोजेक्ट चीता को हो जाएंगे दो साल ● भारत में अभी चीतों की संख्या 24, इनमें 12 शावक हैं ● कूनो प्रबंधन ने चीतों की खूबसूरत वीडियो को शेयर किया

श्योपुर (नप्र)। 17 सितंबर 2022 को भारत की धरती पर सात दशक बाद चीतों का आगमन हुआ था। भारत में विलुप्त होने के बाद चीता प्रोजेक्ट के तहत फिर से चीतों को बसाने की कवायद शुरू हुई थी। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर नामीबिया से आए आठ चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसके बाद दूसरी खेप दक्षिण अफ्रीका से आई थी। भारत की धरती पर नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कुल 20 चीते लाए गए थे। 17 सितंबर 2024 को भारत में प्रोजेक्ट चीता के दो साल पूरे हो जाएंगे। कुछ झटकों के साथ प्रोजेक्ट में भारत ने उपलब्धियां भी हासिल की है। अब कूनो जंगल में एक दर्जन के करीब चीतों के शावक हैं, जिनका जन्म भारत में हुआ है। ये अब बड़े हो रहे हैं। ये कैसे कूनो जंगल में पल रहे हैं, इसे लेकर कूनो प्रबंधन ने इनका वीडियो शेयर किया है।

12 हैं भारत के अपने चीते- कूनो नेशनल पार्क में 20 में से आठ बड़े चीतों की मौत बीते दो साल में हुई है। इसके अलावे शावकों की मौत भी हुई है। हालांकि प्रोजेक्ट की बड़ी सफलता यह है कि कूनो में भारत के 12 अपने चीता शावक हैं, जिनका जन्म यही हुआ है। अब उनकी परवरिश भी कूनो जंगल में हो रही है। कूनो नेशनल पार्क में अभी बड़े और छोटे मिलाकर कुल 24 चीते हैं।

मां सिखा रही है गुर- वहीं, चीता शावकों की चहलकदमी से कूनो नेशनल पार्क गुलजार है। उन्हें उनकी मां से ढेर सारा प्यार और दुलार मिल रहा है। चीता मां अपने शावकों को जंगल में रहने का गुर सिखा रही है। इसके साथ ही उन्हें शिकार की ट्रेनिंग भी मिल रही है। अभी सभी शावक बाड़े में बंद हैं। कूनो प्रबंधन ने जो वीडियो शेयर किया है। उसमें दिख रहा है कि शावक अपनी मां के साथ अठखेलियां कर रहे हैं।

वीडियो देखकर खुश हो जाएगा दिल

70 साल बाद भारत की धरती पर प्रोजेक्ट चीता की परिकल्पना साकार हो रहा है। कूनो प्रबंधन की तरफ से जो वीडियो आया है, उसे देखकर आपको आनंद आ जाएगा। कैसे हमारी धरती पर चीतों के शावक जवान हो रहे है। कभी मां की पीठ पर चढ़कर कूदते तो कभी प्यार से जाकर चूमते हैं।

सफलता की ओर प्रोजेक्ट चीता

कूनो नेशनल पार्क में चीता परियोजना के 2 सफल वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। कूनो प्रबंधन ने कहा कि दो साल पहले, हमने एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी। लगभग 70 वर्षों के बाद भारत में चीतों को फिर से लाने की भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना 17 सितंबर 2024 को दो सफल वर्ष पूरे कर रही है। यह परियोजना, वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी प्रयास है, जो खोई हुई वन्यजीव आबादी और पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने की आशा का प्रतीक है। यह एक आसान रास्ता नहीं रहा है। आवास समायोजन से लेकर जंगल में शावकों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने तक, कई चुनौतियों पर काबू पाया गया।

महाकाल मंदिर समिति को हाईकोर्ट ले जाने की चेतावनी

प्रसादी पैकेट से नहीं हटाया ऊँ और मंदिर शिखर का फोटो; वकील ने भेजा लेटर

उज्जैन (नप्र)। महाकाल की लड्डू प्रसादी के पैकेट से मंदिर के शिखर का फोटो और ऊँ नहीं हट सका है। हाईकोर्ट (इंदौर बेंच) ने इसी साल 24 अप्रैल को अपने आदेश में महाकाल मंदिर प्रबंध समिति को कहा था, 90 दिन (3 महीने) में फोटो और ऊँ हटा लें।

मंदिर समिति ने कोर्ट से मोहलत मांगी थी और निवेदन करते हुए कहा था, पुराने पैकेट का स्टॉक खत्म हो जाने दीजिए, नए पैकेट से हटवा देंगे। 4 महीने से ज्यादा हो चुके हैं, पैकेट सेम डिजाइन के ही हैं।

महंतों की ओर से याचिका लगाने वाले हाईकोर्ट के वकील अभीष्ट मिश्र ने इसे हाईकोर्ट की अवमानना बताया है। महाकाल मंदिर समिति को लेटर भेजकर 10 दिन में फोटो हटाने के लिए कहा है। ऐसा नहीं होने पर दोबारा कोर्ट जाने की चेतावनी दी।

अभीष्ट का कहना है, लेटर में समिति से पूछा है कि फोटो को क्यों नहीं हटाया गया, क्या स्वार्थ है कि आप इसे बदल नहीं पा रहे हैं, ऐसी कौन सी डिजाइन है, जो 4 महीने में भी तैयार नहीं हुई? उन्होंने कहा, समिति लगातार ऑर्डर पर शहर के क्षीर सागर स्थित पॉलिपैक फैक्ट्री से पैकेट्स बनवा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि पैकेट रोज ऑर्डर देकर बनाए जाते हैं, ज्यादा स्टॉक नहीं रखा जा सकता, क्योंकि धूल और फंगस लग जाएगी।

डस्टबिन, कचरे के ढेर में मिलते हैं पैकेट ...इससे सनातन का अपमान

हाईकोर्ट के वकील अभीष्ट मिश्र ने इसी साल 19 अप्रैल को हाईकोर्ट (इंदौर बेंच) में महंत सुखदेवानंद ब्रह्मचारी, गुरु श्रीमहंत योगानंद जी, ब्रह्मचारी श्री शंभु पंच अग्नि अखाड़ा, छत्रीबाग, इंदौर और पंडित शरद कुमार मिश्र, गुरु श्री स्वामी राधाकान्ताचार्य जी महाराज श्री दुर्गाशक्ति पीठ, महू जिला इंदौर की ओर से याचिका दायर की थी।

अभीष्ट के मुताबिक, प्रसादी के खाली पैकेट श्रद्धालु फेंक देते हैं। यही पैकेट डस्टबिन और कचरे के ढेर में मिलते हैं। इससे सनातन धर्म का अपमान होता है। इसे लेकर पहले हमने दो बार महाकाल मंदिर प्रबंध समिति को आवेदन दिए। उन्होंने नहीं सुनी। इसके बाद अप्रैल को महंतों ने मंदिर में प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात की। यहां से सिर्फ आश्वासन मिला। फिर हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। कोर्ट ने इसे सही माना।

श्री प्रसादम लिखना पर्याप्त, डिजाइन की जरूरत नहीं

मंदिर समिति को भेजे गए लेटर में कहा गया है कि प्रसादी के पैकेट में डिजाइन की कोई जरूरत नहीं है। हाईकोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि 'श्री प्रसादम' लिखना ही पर्याप्त है। ऐसे में डिजाइन तैयार करवाने के तथ्य जानबूझकर आस्था से खिलवाड़ है।

वैष्णो देवी और गोल्डन टेम्पल के पैकेट में सिर्फ नाम

हाईकोर्ट के वकील का कहना है कि अभी जिस पैकेट में महाकाल की प्रसादी दी जाती है, उसमें महाकाल मंदिर का शिखर, ऊँ और शिखर के मध्य में नागचंद्रेश्वर मंदिर का फोटो है। अयोध्या में लाखों पैकेट भेजे गए थे। ये बाद में डस्टबिन में फेंक दिए गए। कोर्ट में हमने बताया कि वैष्णो देवी और गोल्डन टेम्पल के प्रसादी पैकेट में कोई चित्र नहीं रहता।